● वर्ष-4
● अंक-181
रायपुर, रविवार
09 मार्च 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» क्या एक-दूसरे को डेट कर रहे....

जूदेव के विचार प्रेरणास्रोत हैं: साय

सीएम साय ने दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिले के कुनकुरी के बाजारडांड़ में स्थापित दिलीप सिंह जूदेव की सात फीट ऊंची प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने जूदेव के जीवन, योगदान और समाज सेवा को दर्शाने वाली विशेष फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि स्व. कुमार दिलीप सिंह जूदेव का जीवन समाज सेवा, जनकल्याण और आदिवासी उत्थान के लिए समर्पित था। उनकी निस्वार्थ सेवा और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता ।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्व. कुमार दिलीप सिंह जूदेव के विचार और सेवा कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज और प्रदेश के विकास में योगदान देना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि फोटो प्रदर्शनी में स्व. जूदेव के सामाजिक कार्यों, जनसेवा और विभिन्न प्रेरणादायक क्षणों को संजोया गया था, जिसे देखने बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

प्रति वर्ष 8 मार्च को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजन की घोषणा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के कुनकुरी अंतर्गत सलियाटोली स्थित बालासाहेब देशपांडे महाविद्यालय मैदान में स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव की स्मृति में उनकी जयंती पर आयोजित वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का मां सरस्वती, भारत माता, छत्तीसगढ़ी महतारी और स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने प्रति वर्ष 8 मार्च को वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के नागरिक स्वस्थ रहें और राज्य समृद्धि की ओर अग्रसर हो। इसी दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए इस वर्ष के बजट में कुनकुरी में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना का प्रावधान किया गया है। साथ ही जशपुर में शासकीय नर्सिंग कॉलेज और शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज खोलने का निर्णय लिया गया है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन सुविधाओं के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को बेहतर उपचार मिलेगा और उन्हें इलाज के लिए अन्य शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

प्रधानमंत्री को लखपति दीदी कार्यक्रम में सम्मानित किया

महिलाओं का आशीर्वाद मेरा कवच: मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत महिलाओं के नेतृत्व में विकास की राह पर चल पड़ा है। हमारी सरकार महिलाओं के जीवन में सम्मान और सुविधा दोनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमने करोड़ों महिलाओं के लिए शौचालय बनवाकर उनका सम्मान बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुजरात के नवसारी के वानसी-बोरसी में लखपति दीदी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, जहां उन्होंने 1.1 लाख से अधिक महिलाओं को संबोधित किया। इसके अलावा नरेन्द्र मोदी ने में जी-सफल और जी-मैत्री सहित विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में माता गंगा का आशीर्वाद मिले और आज मातृशक्ति के इस महाकुंभ में आप सभी माताओं-बहनों के आशीर्वाद मिले। आज महिला दिवस का ये दिन, गुजरात की मेरी मातृभूमि और इतनी बड़ी संख्या में माताओं, बहन-बेटियों की ये उपस्थिति, इस विशेष दिन... आपके इस प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं मातृशक्ति को सिर झुकाकर नमन करता हूं।

मोदी ने कहा कि आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे

ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है। उन्होंने कहा क आज इस दिन, मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। जब मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, तो कई लोगों के कान खड़े हो जाएंगे। आज पूरी ट्रॉल सेना मैदान में उतर जाएगी, लेकिन मैं फिर भी दोहराऊंगा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं, बहनों-बेटियों का आशीर्वाद है और ये आशीर्वाद निरंतर बढ़ता जा रहा है, इसलिए मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत महिलाओं के नेतृत्व में विकास की राह पर चल पड़ा है। हमारी सरकार महिलाओं के जीवन में सम्मान और सुविधा दोनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमने करोड़ों महिलाओं के लिए शौचालय बनवाकर उनका सम्मान बढ़ाया है। हमने करोड़ों महिलाओं के खाते खुलवाकर बैंकिंग से जोड़ा है। हमने उज्ज्वला सिलेंडर देकर उन्हें धुएं जैसी तकलिफों से बचाया है। उन्होंने कहा कि आज समाज के स्तर पर, सरकार के स्तर पर, बड़ी-बड़ी संस्थाओं में महिलाओं के लिए ज्यादा से ज्यादा तरजीह दी गई है। राजनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या फिर पुलिस... देश के हर सेक्टर में, हर आयाम में महिलाओं का परचम लहरा रहा है।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम सबको ये देखकर गर्व होता है कि आज दुनिया में सबसे बड़ी संख्या में महिला पायलट, हमारे भारत में हैं। ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का ही उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब आप सभी से मिलता हूं तो मेरा भरोसा और पक्का हो जाता है कि विकसित भारत का संकल्प अब पूरा होकर ही रहेगा। संकल्प की सिद्धि में हमारी नारीशक्ति की सबसे बड़ी भूमिका होगी। मोदी ने कहा कि 2014 के बाद से अब तक करीब 3 करोड़ महिलाएं घर की मालकिन बन चुकी हैं।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी-20 चैंपियनशिप के अंतिम चरण का आगाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खेल प्रेमियों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज शाम नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी-20 चैंपियनशिप के अंतिम चरण का शुभारंभ किया। आज का मैच इंडिया मास्टर्स बनाम वेस्टइंडीज मास्टर्स के बीच खेला जा रहा है, जहां इंडिया मास्टर्स की कमान सचिन तेंदुलकर और वेस्टइंडीज मास्टर्स की अगुवाई क्रिकेट लीजेंड ब्रायन लारा कर रहे हैं।

संसद का नियोजित गतिरोध उचित नहीं : बिरला

नईदिल्ली। संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस होनी चाहिए, व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और जानबूझकर पैदा किए गए गतिरोध लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सहमति और असहमति को लोकतंत्र की ताकत बताते हुए शनिवार को कहा कि विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं है ।बिरला ने यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान' के शुरुआती कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सहमति और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन विधानसभाओं और संसद में सुनियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए ठीक नहीं, जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विधायी संस्थानों को चर्चा और संवाद का केंद्र बनना होगा।

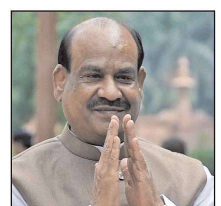

बिरला ने कहा कि भारत का संविधान केवल कानूनों का संकलन नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक मार्गदर्शक है। पिछले 75 वर्षों में संविधान के मार्गदर्शन में हमने कई परिवर्तन देखे हैं। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस होनी चाहिए, व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और जानबूझकर पैदा किए गए गतिरोध लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हैं ।लोकसभा अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि यह संविधान क्लब पक्ष-विपक्ष के बीच सार्थक विमर्श और सहमति का मंच बनेगा ।बिरला ने कहा कि यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, विचारशीलता और नीति-निर्माण को दिशा देने वाला मंच है ।लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं होता, बल्कि सतत संवाद और सहमति से आगे बढ़ता है। यह क्लब नीति-निर्माण और सुशासन को नयी ऊंचाइयों तक ले जाएगा ।लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान विधानसभा हमेशा मार्गदर्शक रही है, यहां पारित कई विधेयक पूरे देश के लिए उदाहरण बने हैं। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान की भूमि ने लोकतांत्रिक परंपराओं को सदैव समृद्ध किया है। बयान के अनुसार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान की महिलाओं का इतिहास गौरवशाली रहा है।

प्रमुख समाचार

11-12 मार्च को मॉरीशस जाएंगे पीएम मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च से मॉरीशस की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आएंगे और द्वीपीय राष्ट्र के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मॉरीशस की निर्धारित राजकीय यात्रा पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि प्रधानमंत्री 11 और 12 मार्च 2025 को मॉरीशस की यात्रा करेंगे। 2015 के बाद से प्रधानमंत्री की यह पहली मॉरीशस यात्रा है। विक्रम मिस्री ने कहा कि मॉरीशस के साथ हमारे संबंध, निश्चित रूप से, साझा इतिहास, संस्कृति और बहुत मजबूत और मजबूत लोगों के बीच संबंधों पर आधारित हैं जो कई शताब्दियों पहले से चले आ रहे हैं; मॉरीशस हिंद महासागर में हमारे प्रमुख भागीदारों में से एक है। 2015 में मॉरीशस में ही प्रधानमंत्री ने मिशन सागर- क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास को स्पष्ट किया था। उन्होंने बताया कि इस यात्रा की एक खास बात यह है कि पीएम मोदी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे। राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी समारोह में भाग लेगी।

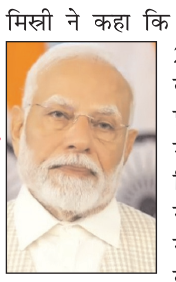

अकबर हो या औरंगजेब, सबकी मानसिकता एक: योगी

नईदिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गौतमबुद्ध नगर जिले के दादरी क्षेत्र में एनटीपीसी परिसर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा का अनावरण करते हुए सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्र के प्रति समर्पित होना कैसा होता है, यह महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व से सीखना चाहिए। महाराणा प्रताप, जो मेवाड़ राज्य के शासक थे, मुगल सम्राट अकबर के खिलाफ प्रतिरोध का नेतृत्व करने के लिए जाने जाते हैं। मुगल शासक औरंगजेब को लेकर छिड़ी देशव्यापी बहस के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी। उन्होंने कहा कि भारत की सीमाएं ईरान तक पहुंच चुकी थीं, महाराणा सांगा के बाद एक समय ऐसा आया जब महाराणा प्रताप को राजगद्दी मिली। उन्हें चित्तौड़गढ़ छोड़ना पड़ा, लेकिन पहला युद्ध उन्हें महज 28 साल की उम्र में लड़ना पड़ा। महाराणा प्रताप ने दूसरा युद्ध 36 साल की उम्र में लड़ा। वे हल्दीघाटी में लगातार युद्ध लड़ते रहे, अकबर की लाखों की सेना को मारते-काटते रहे।

कर्नाटक का बजट देश के लिए मॉडल: शिवकुमार

नईदिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को राज्य के बजट को देश के लिए एक मॉडल बताते हुए कहा कि इसमें बेंगलुरु की यातायात समस्याओं के समाधान के लिए कई परियोजनाओं का प्रावधान किया गया है ।बेंगलुरु विकास के प्रभारी मंत्री शिवकुमार ने कहा कि शहर में 700-800 किलोमीटर नई सड़कें जोड़ी जा रही हैं। शिवकुमार ने कहा, यह बजट देश के लिए एक आदर्श है। अन्य राज्य भी इस पर ध्यान देंगे। यह ब्रांड बेंगलुरु के लिए एक अच्छा बजट है। बजट शहर की 1.40 करोड़ आबादी के हित में है। इसमें एक सुरंग सड़क परियोजना भी है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यातायात की समस्याओं को दूर करने के लिए फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। डबल-डेकर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे और नगर निगम और 'बैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड' से 50-50 प्रतिशत योगदान के साथ नई मेट्रो परियोजनाएं शुरू की जाएंगी ।उपमुख्यमंत्री ने कहा, सुरंग सड़कों सहित हम 700-800 किलोमीटर नई सड़कें जोड़ रहे हैं। हम ऋण ले सकते हैं, लेकिन हम लोगों को राहत देना चाहते हैं। परियोजनाओं के लिए 19,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए गारंटर के रूप में खड़ी है।

यह उनकी दयनीय मानसिक स्थिति को दर्शाता है : तेजस्वी

नईदिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने एक दिन पहले अपनी मां और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को सीएम और जेडी(यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा संबोधित किए जाने के तरीके पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विधान परिषद के अंदर राजद की महिला सदस्यों के साथ गरमागरम बहस के दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष की नेता राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए हिंदी में कहा था कि उनके पति ने उन्हें तब सीएम बनाया जब वे मुश्किल दौर से गुज़र रहे थे। राबड़ी देवी पहली बार 1997 में मुख्यमंत्री बनी थीं, जब उनके पति और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को चारा घोटाले में सीबीआई की चार्जशीट के बाद पद छोड़ना पड़ा था। कुमार द्वारा इसके हसबैंड शब्द का इस्तेमाल अपमानजनक माना गया और जबकि उनकी पार्टी के सदस्यों ने सदन के अंदर इसका विरोध किया, तेजस्वी यादव ने बाद में संवाददाताओं से कहा, यह मुख्यमंत्री की दयनीय मानसिक स्थिति को दर्शाता है जो स्पष्ट रूप से राज्य चलाने के लिए उपयुक्त नहीं हैंपूर्व उपमुख्यमंत्री और अब राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव ने अपने पूर्व बॉस को याद दिलाया कि राबड़ी देवी उनसे उम्र में बड़ी हैं।

समग्र सामाजिक विकास में महिला शिक्षा महत्वपूर्ण: रेखा

नईदिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि शहर की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने की जरूरत है और महिलाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि प्रगतिशील और समावेशी समाज के निर्माण के लिए दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शालीमार बाग में स्थित फोर्टिस अस्पताल द्वारा आयोजित समानता वॉकथॉन को संबोधित करते हुए रेखा ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना समग्र सामाजिक विकास की कुंजी है।

उन्होंने कहा, दिल्ली को देश का सबसे विकसित स्वास्थ्य केंद्र बनना चाहिए। हर नागरिक को सुविधाजनक चिकित्सा सेवाएं मिलनी चाहिए और किसी को भी सही उपचार से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनसे अपने स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आइए हम सब मिलकर एक ऐसा भविष्य बनाएं, जहां लैंगिक समानता सिर्फ एक लक्ष्य न हो।

नई पहचान ढूंढती दुनिया जिसमें जारी है शांति पाने की जद्दोजहद

नंदितेश निलय

क्या इस दुनिया में हम हमेशा किसी खास पहचान के इर्द-गिर्द अपने कन्वर्सेशंस और रिलेशंस को ढूंढते रहते हैं? अपने पहनावे, अपनी सामरिक या किसी अन्य शक्ति के सहारे? जैसे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष से यह पूछ लिया जाए, आपके पास पहनने को सूट नहीं है, क्या? यह कुछ अजीबो-गरीब नहीं लगता? चर्चिल का महात्मा गांधी के पहनावे पर टिप्पणी जैसा, जब गांधी को 'नेकेड फकीर' कहा गया! क्या दुनिया में हर देश, हर इन्सान कोई आइडेंटिटी नहीं ढूंढ रहा? क्या हम एक कंपलसरी आइडेंटिटी में बंधते तो नहीं जा रहे हैं? ऐसी पहचान, जो जाति, धर्म से शुरू होकर पद, धन या फिर मैनेजर, लीडर आदि न जाने कितने पड़ाव लेती है। और फिर न जाने कितने सामाजिक, धार्मिक, संस्थागत और यहां तक कि देश से लेकर, पारिवारिक विभेद का भी कारण बन जाती है। और अब तो यह आइडेंटिटी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के फॉलोअर्स और लाइक्स से भी प्रभावित होती है। कहीं ऐसा तो नहीं कि रील बनाने की हवस में हम उस कंपलसरी आइडेंटिटी की ओर बढ़ रहे हैं, जो दुर्भाग्यवश हमारी परमानेंट आइडेंटिटी भी बनती जा रही है।

शीत युद्ध ने सबसे शक्तिशाली आइडेंटिटी को जन्म दिया, जिसका मुकाबला करने के लिए सामरिक शक्ति बढ़ाने की होड़ लग गई। अमेरिका और रूस ने मानो संसार को नॉर्थ पोल और साउथ पोल की तरह एक आइडेंटिटी दी, और इस कंपलसरी आइडेंटिटी से जुड़ने के लिए विश्व के अन्य देशों को किसी एक पाले के साथ जाना था। तमाम मुल्क हथियार खरीदने और कुछेक बेचने के दायरे में आ रहे थे। और यह नई बनती कंपलसरी आइडेंटिटी न्यूक्लियर बम की अधिकाधिक संख्या को सब कुछ मान बैठी और दुनिया को खत्म करने के लिए तमाम देश न्यूक्लियर बम का परीक्षण करने लगे कि कौन किसको कितना डरा सकता है, सबसे शक्तिशाली कौन है। यह उस कंपलसरी आइडेंटिटी का हिस्सा बना।

चलिए, थोड़ा पीछे मुड़कर देखते हैं। भारत जब स्वतंत्रता संग्राम कर रहा था, तो जैसे कंपलसरी आइडेंटिटी छोड़ने की होड़ लगी हुई थी। महात्मा गांधी, मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल

नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, सी आर दास, अरुणा आसफ अली, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी लॉ की प्रैक्टिस, कोई पद या नौकरी छोड़ दी। लेकिन आजादी के बाद, तो मानो कंपलसरी आइडेंटिटी ने सभी को घेर लिया। विभाजन की त्रासदी में एक भौगोलिक लकीर एक पूरी कौम को दूसरी कौम से अलग कर रही थी। लाखों लोग समुदाय या धर्म के नाम पर मारे जा रहे थे। और सबसे बड़ी बात इस कंपलसरी आइडेंटिटी ने उस कंटेस्टिंग कन्वर्सेशन को जन्म दिया, जिसने 'मेरा और तुम्हारा' या 'कौन और क्या' के विभेद की बहुत बड़ी खाई खड़ी कर दी, जो तबसे और गहरी होती जा रही है।

आज डिजिटल और एआई की दुनिया ने हमें ऐसी कुछेक दस कंपनियों से परिचित कराया, जिन्होंने तकनीक की शक्ति और समझ को कंपलसरी आइडेंटिटी बना दिया। जो देश जितना डिजिटल बनता रहा, वह उन दस कंपनियों से किसी न किसी रूप से जुड़ा रहा। यहां तक कि एलन मस्क का अमेरिकी चुनाव के दौरान और फिर मंत्रिमंडल से जुड़ना बता रहा है कि इस दशक ने एक ऐसी कंपलसरी आइडेंटिटी पैदा की, जिससे बचना करीब-करीब असंभव हो गया है।

नतीजतन मनुष्य के सामाजिक संवाद की जिम्मेदारी भी इन कंपलसरी आइडेंटिटी ने ले ली। सब कुछ मानो इन्हीं के इर्द-गिर्द हो रहा है। देश के स्तर पर सामरिक और डिजिटल शक्ति राष्ट्र के आपसी संबंधों और संप्रेषण का रास्ता बना रही है, तो समाज के स्तर पर पहले से ही जाति, धर्म, पद और धन से उभरी आइडेंटिटी इन संबंधों और संप्रेषणों को प्रभावित करती आ रही है। लखनऊ में कोई अपने पूरे परिवार को मारकर सोशल मीडिया पर फेमस होना चाह रहा है, तो कोई गरीब किसी अमीर की गाड़ी के नीचे आ जाए, तो कोई हो-हल्ला नहीं होता। और न ही किसी छोटे देश पर किसी बड़े देश के आक्रमण का।

भारत को भी एक स्वतंत्र राष्ट्र की पहचान मिली और 15 अगस्त, 1947 को नियति से मुलाकात हुई। हालांकि, भारत ने महात्मा गांधी को खो दिया और नियति से यह मुलाकात स्वतंत्रता पर ही भारी पड़ गई, क्योंकि सांप्रदायिकता दिल्ली की ओर बढ़ रही थी, जबकि गांधी ने अपनी मृत्यु से पहले कहा था, अगर दिल्ली खो गई, तो भारत खो जाएगा। लेकिन सांप्रदायिकता की कंपलसरी आइडेंटिटी ने थोड़ी देर के लिए मानो मनुष्यता की आइडेंटिटी को ग्रहण लगा दिया। मानो एल्डस हक्सले कह रहे हों, शायद यह दुनिया किसी दूसरे ग्रह का नरक है ।महात्मा गांधी स्वतंत्रता के बाद देश में उभर रहे ऊर्ध्वाधर मतभेदों के बारे में चिंतित थे।

महिला कमांडो देश के लिए बन रही रोल मॉडल

■ **एके-47 लेकर उतरती हैं नक्सली मोर्चे पर**

बस्तर। बस्तर की खूबसूरत वादियों में पिछले चार दशकों से नक्सली खून की होली खेल रहे हैं। माओवादी हिंसा को खत्म करने के लिए अब बस्तर में महिला कमांडो की तैनाती कर दी गई है। सीआरपीएफ की जांबाज महिला कमांडो लाल आतंक पर बिजली की तरह टूट रही हैं। महिला कमांडो की टीम साथी जवानों के साथ कदम से कदम मिलाकर जंगल में माओवादियों से लोहा ले रही हैं। चूड़ियों से सजी कलाइयों में जब ये कमांडो,च 47 लेकर निकलती हैं तो दुश्मनों के दिल कांप जाते हैं। इनके भीतर राष्ट्रभक्ति का ऐसा जज्बा भरा है कि बीड़ह जंगलों और माओवादियों की मांद में भी घुसने से नहीं डरती हैं। नक्सलियों से जब इनका सामना होता है तो इनका टारगेट सिर्फ एक होता है, वो है लाल आतंक का खात्मा।

विकास के रास्ते में रोड़ा बने माओवाद से निपटने के लिए बस्तर में पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की गई है। बस्तर में तैनात सीआरपीएफ के सामने जब स्थानीय भाषा और भौगोलिक जानकारियों को लेकर समस्या आने लगी तब जवान परेशान होने लगे। माओवादियों के दबाव में ग्रामीण कई बार जवानों पर झूठे आरोप लगाने लगे। तब पहली बार सीआरपीएफ ने बस्तर के युवाओं को मौका देने के उद्देश्य से बस्तर बटालियन बनाने का फैसला किया। इस फैसले के तहत इनमें एक तिहाई महिलाओं की भी भर्ती की गई। आज सीआरपीएफ की यह महिला कमांडो की टीम बस्तर के बेहद संवेदनशील क्षेत्रों में बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। कमांडो की टीम में शामिल महिला जवान अपनी तैनाती को लेकर बेहद उत्साहित हैं, खुद को

सौभाग्यशाली मानती हैं कि उनको देश सेवा का मौका मिला।

महिला कमांडो प्रियंका कुजूर ने कहा मुझे बहुत गर्व है कि मैं एक सोल्जर हूं। मुझे इस कार्य में बहुत गर्व है। पुरुष जवान भी बस्तर में तैनात हैं। हम महिलाओं को पुरुष जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने में काफी गर्व हो रहा है।

सीआरपीएफ की महिला कमांडो टीम में शामिल महिला जवान कहती हैं कि उनको अपने सोल्जर होने पर गर्व है। बस्तर के चप्पे चप्पे पर आज वो सुरक्षा की ढाल बनकर ड्यूटी दे रही हैं। साथी पुरुष जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अबूझमाड़ के जंगल तक को बहादुरी से खंगाल रही हैं। महिला कमांडो एक सुर में कहती हैं कि उनको गर्व है कि उनका चयन देश और प्रदेश की सेवा के लिए किया गया है।

महिला कमांडो सुमिता नाग ने कहा अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि देश के लिए कुछ करने का मौका मिला। मुझे यहां बहुत अच्छा लगता है। जो काम पुरुष कर सकते हैं, वह महिला भी कर सकती है। मैं नई पीढ़ी को यह संदेश देना चाहती हूं कि महिला हर वो काम कर सकती है, जो पुरुष कर सकते हैं।

महिला कमांडो रोशनी भास्कर ने कहा हमें प्राउड फील होता है कि हम अपने पैरों पर खड़े हैं। पहले माता पिता पर डिपेंड थे। अब खुद नौकरी भी कर रहे हैं और घर परिवार को भी देख रहे हैं, उनकी जरुरतें पूरी कर रहे हैं। बहुत लोग या परिवार ऐसे हैं जो लड़कियों को सपोर्ट नहीं करते हैं। वो सोचते हैं कि ये तो लड़कियां हैं, घर से दूर कैसे जा सकती है। ऐसी कई समस्याएं आती हैं। लेकिन लड़कियां चाहें तो वह कुछ भी काम कर सकती हैं, वह खुद फोर्स ज्वाइन कर सकती हैं।

महिला कमांडो कहती हैं कि जब वो सर्च ऑपरेशन पर निकलती हैं तो उनका मकसद सिर्फ अपने दुश्मनों को टारगेट करने पर होता है। महिला कमांडो टीम में शामिल जवान शारीरिक रुप से भी मजबूत हैं और मानसिक रुप से भी। ड्यूटी के साथ साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी ये बखूबी निभा रही हैं। माता पिता से लेकर पति और बच्चों का ख्याल भी उसी शिद्दत से रखती हैं जिस तरह से एक आम महिला रखती है। मुश्किल नौकरी और घर के बीच जिस तरह से ये सामांजस्य बनाकर चल रही हैं वो काबिले तारीफ है। आज ये महिला कमांडो बस्तर की बेटियों के लिए रोल मॉडल बन चुकी हैं।

देश और समाज की ताकत हैं मातृशक्तिः किरण देव

जगदलपुर। जगदलपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सुषमा विंग्स ऑफ़ कैंसर सपोर्ट सोसायटी के द्वारा आयोजित नारी इन साड़ी वॉकेथॉन की प्रतियोगिता हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पाण्डे, अध्यक्ष (स्पीकर) खेमसिंह देवांगन, पार्षद निर्मल पाणिग्रही, लक्ष्मण झा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां दंतेश्वरी के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलन कर किया गया, तत्पश्चात महिलाओं ने मुद्रा डांस व जुंबा डांस भी मंच के माध्यम से प्रस्तुत किया, वॉकेथॉन स्पर्धा को 2 वर्गों में बांटा गया था, जिसमें 3 किलोमीटर की वॉकेथॉन रही, वॉकेथॉन में 500 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुये, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव, सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पांडे सहित सभी अतिथियों ने झंडा दिखाकर इसका शुभारंभ किया, वॉकेथॉन प्रतियोगिता में ग्रुप ए से कुसुम को प्रथम पुरस्कार नौ हजार रुपए की नगद राशि से पुरस्कृत किया गया, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 7 हजार रुपए उर्मिला मौर्य व तृतीय पुरस्कार के रूप में 5 हजार रुपए सफल प्रतिभागी सुरेखा को दिया गया, वहीं बी ग्रुप से प्रथम पुरस्कार अमरवती मंडावी, द्वितीय पुरस्कार सीमा आचार्य, तृतीय पुरस्कार शिलेन्द्री को दिया गया, इसके साथ ही अन्य सांत्वना पुरस्कार में इलावती, सोनू चांडक, रचना जैन, रेखा मोदी, रश्मि बत्रा, सरिता पाण्डे ने बाजी मारी।

इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी मातृशक्ति माता एवं बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी, साथ ही श्री देव ने कहा मातृशक्ति आज समर्पण और जज्बे के साथ सेवा के नये प्रतिमान गढ़ रहे हैं, देश की ताकत एवं समाज की शक्ति हैं आज मातृशक्ति, आज हमारी माताएं और बहनें धर परिवार, खेल, व्यापार, शिक्षा, अंतरिक्ष एवं हर क्षेत्र में पूरी लगन और मेहनत से सफलता के शिखर तक पहुंची है।

51 पार्षदों के साथ शपथ लेते ही मधुसूदन तीसरी पर बने राजनांदगांव के महापौर

राजनांदगांव। 51 वार्डों के पार्षदों के साथ महापौर मधुसूदन यादव ने शनिवार को विधिवत रूप से शपथ ली। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने उन्हें शपथ दिलाई और इसके साथ ही यादव तीसरी बार महापौर पद पर काबिज हो गए। स्थानीय गोविंदराम निर्मलकर आडिटोरियम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्य आतिथ्य में महापौर यादव और पार्षदों ने शपथ ली। सबसे पहले महापौर यादव ने शपथ ग्रहण किया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला पार्षदों को शपथ दिलाई गई, फिर पुरूष पार्षदों ने विधिवत रूप से शपथ लिया।

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पार्षद राजनीति की पहली सीढी है, इसे कमतर नहीं आंकना चाहिए। उन्होंने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि पार्षद से उन्होंने राजनीति की शुरूआत की थी, बाद में वह केंद्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव शहर आने वाले वर्षों में एक विकसित शहर में गिना जाएगा इसके लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे।

महापौर पद की शपथ ग्रहण करने के बाद लोगों को संबोधित करते यादव ने कहा कि एक बड़ी जीत के साथ जनता ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। सभी मिलजुलकर काम करेंगे। जब उनका कार्यकाल समाप्ति की ओर होगा, तब शहर का एक अलग स्वरूप होगा। उन्होंने कहा कि एक विधायक होने के नाते डॉ. सिंह, सासद संतोष पांडे समेत अन्य प्रमुख लोगों के साथ मिलकर शहर का विकास होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं के जरिये शहर की खूबसूरती पर कार्य होगा। इस अवसर पर पर्यवेक्षक व महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश एच. लाल, संतोष अग्रवाल, पूर्व महापौर द्वय हेमा देशमुख व नरेश डाकलिया, रामजी भारती, अशोक चौधरी, भरत वर्मा, सचिन बघेल, विक्रांत सिंह, अंजुम अल्वी, जितेन्द्र मुदलियार, धरसींवा के पूर्व विधायक देवजीभाई पटेल, श्रीकिशन खंडेलवाल, आसिफ अली समेत एसपी मोहित गर्ग, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, उपायुक्त मोबिन अली व अन्य लोग बड़ी संख्या में शामिल थे।

धमतरी जिला पंचायत में भाजपा का कब्जा, अरुण सार्वा बने अध्यक्ष

धमतरी। जिला पंचायत में भाजपा ने कब्जा जमा लिया है। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों ही पदों पर भाजपा काबिज हो गई। खास बात ये रही कि दोनों पदों पर भाजपा समर्थित सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। कांग्रेस की तरफ से किसी ने नामांकन ही दाखिल नहीं किया। धमतरी में कुल 13 जिला पंचायत क्षेत्र है। इनमें से 11 में भाजपा समर्थित प्रत्याशी विजयी हुए थे जबकि कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी सिर्फ 2 सीटों पर ही जीत सके।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत शुक्रवार को जिला पंचायत धमतरी में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का निर्वाचन हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा के अरुण सार्वा व उपाध्यक्ष पद पर गौकरण साहू निर्विरोध निर्वाचित हुए। जिला पंचायत धमतरी में भाजपा से 11 व कांग्रेस से दो सदस्य निर्वाचित हुए हैं। 7 मार्च को जिला पंचायत में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए प्रक्रिया शुरु की गई। इसके तहत निर्वाचन के लिए प्रथम सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सभा कक्ष में सभी 13 सदस्य मौजूद थे। इसके बाद 11=15 बजे से 11=50 बजे तक नाम निर्देशन पत्र जमा करने का समय दिया गया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 12 से भाजपा समर्थित सदस्य अरुण सार्वा के नाम का पर्यवेक्षक मोतीलाल साहू ने ऐलान किया। उनके साथ समर्थक प्रस्तावक के रूप में धनेश्वरी साहू और अजय ध्रुव पहुंचे।

कांग्रेस की ओर से कोई नामांकन नहीं दाखिल होने पर अरुण सार्वा को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। उपाध्यक्ष पद के लिए जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 3 से भाजपा समर्थित सदस्य गौकरण साहू ने नामांकन भरा। उनका भी निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचन हो गया। इसके बादज भाजपाईयों ने खुशी जाहिर करते हुए जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री व निगम महापौर रामू रोहरा, सभी जिला पंचायत सदस्य, जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस, पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष नेहरू निषाद, पूर्व विधायक रंजना साहू,कविंद्र जैन सहित सहित बड़ी संख्या में भाजपाई व जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहे। धमतरी जिला पंचायत के 13 सीटों में से मात्र 2 सीट पर कांग्रेस सदस्य जीत कर आये हैं। जिसमें क्षेत्र क्रमांक 6 से कविता योगेश बाबर और क्षेत्र क्रमांक 4 से नीलम चन्द्राकर ने जीत दर्ज किया है। शेष 11 सीटों पर भाजपा समर्थित सदस्यों ने जीत दर्ज की है। अरुण सार्वा ने कहा कि विकास और विकास ही पहली प्राथमिकता होगी।

4 लाख के इनामी 1 महिला सहित 5 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते दबाव के फलस्वरूप नक्सली संगठन में सक्रिय 1 महिला सहित कुल 5 नक्सलियों माड़वी नंदा पिता भीमा (पेद्दाबोड़केल आरपीसी सीएनएम अध्यक्ष ईनामी 2 लाख) निवासी करंगढ सरपंचपारा करकनगुड़ा थाना चिंतलनार जिला सुकमा, मड़कम माड़ा पिता स्व. नंदा (पेद्दाबोड़केल आरपीसी डीएकेएमएस अध्यक्ष ईनामी 2 लाख) निवासी करकनगुड़ा सरपंचपारा थाना चिंतालनार जिला सुकमा, महिला कवासी पाले पति स्व. पोज्जा (ग्राम करकनगुड़ा केएमएस अध्यक्ष) निवासी करकनगुड़ा थाना चिंतलनार जिला सुकमा,मड़कम दषरू पिता हिड़मा (पेद्दाबोड़केल आरपीसी सीएनएम उपाध्यक्ष) निवासी भीमापुरम थाना चिंतलनार जिला सुकमा, मड़कम नंदा पिता स्व. हड़मा (ग्राम करकनगुड़ा मिलिषिया सदस्य) करकनगुड़ सरपंचपारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला सुकमा में सुखविन्द्र सिंह सहायक कमाण्डेन्ट 223 वाहिनी सीआरपीएफ, सहिल छिकारा, सहायक कमाण्डेन्ट 203 कोबरा वाहिनी एवं निरीक्षक रोशन सिंह राजपूत, प्रभारी नक्सल सेल जिला सुकमा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। नक्सलियों को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने 223 वाहिनी सीआरपीएफ आसूचना शाखा के कार्मिकों का योगदान रहा। उपरोक्त सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के प्रोत्साहन राशि व अन्य सुविधायें प्रदान किये जायेगें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कृष जांघ फ्रेक्चर के बावजूद 10वीं की परीक्षा देने पहुंचा

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर-रामानुजगंज नगर के वार्ड क्रमांक 12 निवासी नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी प्रमोद गुप्ता के कक्षा दसवीं में पढ़ने वाले पुत्र कृष गुप्ता हिम्मत और हौसला के मिसाल है। कक्षा दसवीं की परीक्षा को महत्व देते हुए 5-6 दिन पहले सड़क दुर्घटना में कृष की जांघ टूट गई थी। जिसके बाद स्वजन ने इलाज के लिए रांची ले गए थे। जहां से दो मार्च को डॉक्टर के द्वारा छुट्टी दे दी गई। फिर 3 मार्च को वह रामानुजगंज पहुंचा। तीन मार्च को हिंदी की परीक्षा नहीं दे पाया। परंतु उसके बाद जितने भी परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं। पूरे हौसला और हिम्मत के साथ कृष परीक्षा दे रहा है, जो अन्य छात्रों के लिए मिसाल है। शुरू से मेधावी रहे स्वामी आत्मानंद में पढ़ने वाले कृष ने कक्षा दसवीं की परीक्षा की तैयारी की थी। परंतु परीक्षा शुरू होने के महज कुछ दिन पहले ही सड़क दुर्घटना में जांघ टूटने के बाद ऐसी स्थिति निर्मित हो गई थी कि लग रहा था कि अब कृष परीक्षा नहीं दे पाएगा। इस बीच रांची के जगन्नाथ हॉस्पिटल में डॉक्टर सुधीर कुमार के द्वारा कृष का ऑपरेशन किया।

दुल्हा पहुंचा ट्रैक्टर से, 35 जोड़ों ने लिए सात फेरे

बालोद। बालोद जिले के ग्राम कुलिया में हरदिहा साहू समाज द्वारा सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन किया गया। जहां 35 जोड़े शामिल हुए इस दौरान एक दूल्हा ऐसा भी देखने को मिला जहां स्वयं दूल्हा ट्रैक्टर चलाते मंडप तक पहुंचा। जोकि चर्चा का विषय बन गया है। मुख्य अतिथि यहां पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां पर हरदीहा साहू समाज ने एक मिसाल कायम किया है जाति और उच्च नीच के भेदभाव से दूर एक मंडप पर 35 जोड़ों का विवाह हो रहा है और यह एक अनोखी पहल है यह समाज अन्य समाजों को भी प्रेरित कर रहा है और साथ लेकर चलने की एक मिसाल कायम कर रहा है इस आयोजन में मुझे शामिल होने का अवसर मिला। आपको बता दें कि साहू समाज द्वारा यहां पर 35 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। जहां पर पूरे रीती रिवाज के साथ विवाह संपन्न हुए। मुख्य अतिथि किरण सिंह देव ने कहा कि यहां पर शासन की योजनाओं का लाभ भी यहां पर नव विवाहित जोड़ों को मिल रहा है।

धमतरी के स्टूडेंट्स को मिलेगा नालंदा परिसर

धमतरी। धमतरी शहर में कॉम्पटीशन एग्जाम की तैयारी करने वाले छात्रों को बड़ी सौगात मिलने वाली है। धमतरी शहर के बीचो बीच खाली पड़ी सरकारी जगह में विद्यार्थियों के लिए नालंदा परिसर का निर्माण किया जाएगा। इस जमीन पर फिलहाल अतिक्रमण है। जिसे हटाने के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। नालंदा परिसर एक अध्ययन केंद्र होगा। इसके अंदर परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को एक बड़ी लाइब्रेरी, विषयों की कोचिंग और गाइडेंस मिलेगा। ये सब कुछ पूरी तरह से निशुल्क रहेगा। आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के घोषित नालंदा परिसर के लिए अब काम में तेजी आई है। महापौर ने स्थल निरीक्षण कर सीमांकन की कार्यवाही को मूर्त रुप दिया। बताया गया कि नालंदा परिसर जो कि कचहरी चौक के पास स्थित खइया में बनने का प्रस्तावित हुआ है। महापौर रामू रोहरा ने कहा नालंदा परिसर के निर्माण से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में काफी मददगार साबित होगी।

कुर्सी संभालते ही धमतरी कलेक्टर का एक्शन

धमतरी। जिले के नए कलेक्टर पदभार ग्रहण करते ही एक्शन मोड पर दिखने लगे हैं। कलेक्टर ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट दफ्तरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सोमवार और गुरुवार को विभागों के सभी अधिकारी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से ऑफिस में रहने को कहा। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा कलेक्ट्रेट कार्यालय में संचालित विभिन्न शाखाओं- कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय में उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों का परिचय लिया। कलेक्टर ने कार्यालयों में बेहतर साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कार्यालयों में काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का नाम और पदनाम वाली पट्टिकाएं अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए। खनिज कार्यालय का निरीक्षण करने के दौरान अनुपस्थित पाए गए सहायक खनिज अधिकारी सुभाष चंद साहू का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश भी कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को दिए। उन्होंने सभी को निर्धारित समय सुबह 10 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होने को कहा।

बग्गी में शपथ लेने पहुंचे नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष

अभनपुर। अभनपुर में नगर पालिका चुनाव में जीत के बाद आज नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने शपथ लिया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयारी जोरों शोरों से की गई थी। समारोह में नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे ने स्पेशल एंट्री की, जिसे देखकर मौजूद लोग भी हैरान रह गए। दरअसल, नगर पालिका अभनपुर में आज शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे सिर पर पगड़ी पहनकर बग्गी में सवार होकर शपथ लेने के लिए पहुंचे। जानकारी के मुताबिक, नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे पहले हाथी से एंट्री लेने की तैयारी में थे। लेकिन किसी कारणवश हाथी अभनपुर तक नहीं लाया जा सका। जिसके बाद उत्रसेन गहिरवारे को बग्गी से ही संतोष करना पड़ा। नगर पालिका अभनपुर के शपथ ग्रहण समारोह में 15 पार्षद भी शामिल हुए। जिनमें 10 पार्षद कांग्रेस पार्टी के है। भाजपा के 4 और 1 निर्दलीय ने शपथ लिया। बता दें कि यहां 10 सालों से भाजपा काबिज थी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : वनांचल की महिलाओं ने खुद से लिखी अपनी कहानी

कोरबा। दुनिया भर में 8 मार्च को महिला दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं की समाज बनाने में भूमिका और सफलताओं को याद किया जाता है। आज हम आपको कोरबा जिले के वनांचल क्षेत्र करतला की चार आदिवासी वर्ग से आने वाली महिलाओं की कहानी बताएंगे। जो कभी घर से बाहर नहीं निकलती थीं। पड़ोसी के घर जाने के लिए भी सोचना पड़ता था। लेकिन अब ये महिलाएं जिला मुख्यालय की सरकारी मीटिंग्स में शामिल होती हैं। नाबार्ड की कई योजनाओं से जुड़कर उन्होंने खेती किसानी और वाटर कंजर्वेशन के लिए काम किया। गांव में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई, प्राकृतिक खेती की और अपने परिवार को भी संभाला। अब भी वो निरंतर अपने काम में आगे बढ़ रही हैं। इसे और भी बेहतर तरीके से करने के लिए आसपास के गांव की महिलाओं को अपने साथ जोड़ भी रही हैं।

मधु लता बिंझवार गांव चिचोली की रहने वाली हैं। उन्होने बताया कि पहले हमने मुर्गी पालन की शुरुआत की। मुर्गी पालन अच्छे से किया। मुर्गियों की संख्या बढ़ गई। इसके बाद जो हमारे पास मुर्गियां लेने आते थे।उनकी बिक्री से हमारी अच्छी खासी आमदनी हुई। इस काम को करते हुए 2 साल हो गए हैं। उसके पहले हमारे पास कोई काम नहीं था। सिर्फ बिहान योजना से जुड़े थे, काम शुरू होने के बाद हमें काफी फायदा हुआ।

मधु लता बिंझवार ने कहा पहले रोजगार का कोई साधन नहीं था, तब काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। अब हमारी आमदनी बढ़ी है, तब दूसरों के खेत में काम करने की जरूरत नहीं पड़ती। अब हमारे पास पैसे की कोई कमी नहीं है, परिवार को भी मैं मदद कर रही हूं, क्योंकि हमारे परिवार काफी बड़ा है। इसलिए परिवार को सपोर्ट कर पा रही हूं।

गांव पुरैना की सुलोचना कंवर भी ऐसी महिला हैं जिन्होंने गांव को सिंचित बनाने में योगदान दिया है। सुलोचना ने बताया कि वाटरशेड योजना से जुड़ी हूं।वाटरशेड का अच्छा काम किया है। छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर जल संरक्षण का काम शुरू किया। पहले गांव में 4,5 साल पहले तक गर्मी के समय में पानी का लेवल नीचे चला जाता था। जल संरक्षण का काम शुरू किया तब पानी ठहरने लगा है और सिंचाई का साधन भी डेवलप हुआ है।

सुलोचना कंवर ने कहा इस काम में महिलाओं की ही ज्यादा भागीदारी है। किसान भी इसमें शामिल हैं, लेकिन महिलाओं की भागीदारी अधिक है। सिंचाई का पानी मिलने से धान का उत्पादन बढ़ गया है। किसान पहले बाहर काम करने जाते थे, मजदूरी करने जाते थे। अब वह अपने खेतों को ही ऊंचाई बनाकर गांव में काम करते हैं हमने हर परिवार को संबल दिया है। खेतों से आमदनी बढ़ी तो अब हम अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं। जीवन स्तर सुधरा है। गांव में काफी परिवर्तन आया है।

गांव बोड़ानाला की विद्या कुमारी राठिया ने बताया कि वो गांव की सक्रिय महिला सदस्य हैं। काफी लोगों को समूह में जोड़ा है। लोन लेकर कुछ महिलाएं किराना दुकान चला रही हैं। कुछ लोग सिलाई मशीन, कपड़े तक की दुकान चला रही हैं। नाबार्ड की बड़ी योजना के तहत बाड़ी लगाई है। जो ससुर के नाम पर है। जिसमें मूंगफली ,सब्जी और उड़द लगाते हैं। सालाना 50 हजार की आवक हो जाती है।अभी 3 साल हो गया है, आम के जो बागान लगाए हैं। अब वहां आम भी फलने लगे हैं। सभी एक दूसरे का सपोर्ट करते हैं, ससुर ने पहले मुझे यह रास्ता दिखाया, साथ में हमने मिलजुल के काम किया है।

विद्या कुमारी राठिया ने कहा यह सब काम शुरू होने के बाद काफी परिवर्तन आया है। पहले कुछ पता नहीं था, सिर्फ एक से दूसरे घर तक जाना ही मुश्किल था। अभी मैं यहां जिला स्तर पर आयोजित मीटिंग में आई हूं। अब घर वाले भी हमारी बातों को गंभीरता से लेते हैं। घर के फैसले लेने में भी भागीदारी है।पहले महिलाओं की जो बातचीत होती थी, आसपास जाने के लिए भी सोचना पड़ता था। अब कहीं भी जाना है तो मैं अपने दम पर ही कहीं भी जा सकती हूं, जो चाहे वह घर का काम हो या बाहर का काम हो कर लेती हूं।

विमला राठिया गांव रामपुर की रहने वाले हैं। जो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। जिन्होंने बताया कि वो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ गृहिणी भी हैं। मेरा छोटा सा 20 डिसमिल का खेत है। वहां सरकारी योजना का लाभ प्राप्त करके सब्जी लगाए हैं। प्राकृतिक खेती के बारे में मुझे पता चला तो योजना जुड़े हुए 2 साल हो चुके हैं।

विमला राठिया ने कहा प्राकृतिक खेती कर रहे हैं, साथ सब्जी का उत्पादन भी काफी अच्छा होता है। इसमें हम लोग यूरिया डीएपी जैसे केमिकल वाले खाद का उपयोग नहीं करते हैं। सिर्फ गोबर, गोमूत्र और इस तरह से ही प्राकृतिक तरीके से उत्पादन करते हैं ।जिससे पैदावार काफी हो जाती है। गांव में दो बाजार लगता है। गुरुवार और रविवार को, दोनों बाजार में हम 1000 से 1500 की आमदनी होती है। इस काम में सास का अहम योगदान है, परिवार तीन बच्चे हैं। हमारे परिवार का काफी अच्छे से पालन पोषण हो रहा है। प्राकृतिक खेती से सेहत भी अच्छा हुआ है। जीवन में काफी बदलाव भी आया है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम विष्णुदेव साय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की दी शुभकामनाएं

रायपुर। सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की सभी नारीशक्ति को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी है।

उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए महिलाओं की सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने महतारी वंदन योजना जैसी ऐतिहासिक पहल की है। महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को महतारी वंदन योजना की 13वीं किश्त जारी की गई। बता दें, सीएम साय आज महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने जशपुर के कुनकुरी रवाना हुए। रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान जशपुर की विधायक रायमुनी भगत और पत्थलगांव की विधायक गोमती साय भी नारीशक्ति के रूप में उनके साथ मौजूद रहीं। मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम साय ने कहा कि बीजेपी में हमेशा महिलाओं का सम्मान हुआ है। राष्ट्रपति पद पर महिला है, देश भर में महिला सांसद और विधायक हैं।

यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री टिकट सेवा केंद्र बेमेतरा का शुभारंभ

रायपुर। यात्री टिकट सेवा केंद्र (वाई टी एस के) भारतीय रेलवे की यात्रियों बिना किसी परेशानी के रेलवे यात्रा के लिए आरक्षित टिकट उपलब्ध करने की महत्वपूर्ण योजना है। इसी कड़ी में रेलवे द्वारा बेमेतरा वासियों की सुविधा के लिए वाई टी एस के की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसका सांसद विजय बघेल ने का शुभारंभ किया इस अवसर पर बेमेतरा विधायक श्री दिपेश साहू एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी उपस्थित रहे। रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत यह 13 वां यात्री टिकट सेवा केंद्र है इसके पूर्व मंडल में 12 यात्री टिकट सेवा केंद्र उपलब्ध है रायपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर 07, दुर्ग शहर के विभिन्न स्थानों पर 02, भिलाई में 02 , धमतरी में 01, यात्री टिकट सेवा केंद्र उपलब्ध है यह संबंधित संस्थानों को शहरो में टिकट बिक्री काउंटर स्थापित करने और आरक्षित और अनारक्षित रेलवे टिकट बेचने की अनुमति देता है। यात्री टिकट सेवा केंद्र (संचालक) कम्प्यूटरीकृत टर्मिनलों के माध्यम से आरक्षित रेल टिकिट बेचते हैं।

डॉ आर पी कश्यप ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की दी शुभकामनाएं

बिलासपुर। भारतीय संस्कृति में महिलाओं के सम्मान को हमेशा से ही महत्व दिया जाता है। भारत में महिला को देवी के सामान पूजा जाता है। एक तरह से किसी भी समृद्ध घर के लिए महिला एक लक्ष्मी के रूप में होती है।

आज नारी सिर्फ घर की ही नहीं बल्कि देश की शान भी बन रही हैं और लगभग हर क्षेत्र में महिलाओं की उपलब्धियां बढ़ती ही जा रही हैं। उनकी इन्हीं उपलब्धियों को और अधिक सशक्त बनाने और नारी का महत्व सेलिब्रेट के लिए विश्व 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन शुरु

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए सभी प्लेटफॉर्मों पर पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। रायपुर रेल मंडल पर रेल प्रशासन के द्वारा यात्रियों के लिए स्टेशनों में यात्रियों को कम कीमत पर पीने का शीतल पानी उपलब्ध कराने हेतु वाटर वेंडिंग मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में यात्रियों की सुविधा और किफ़ायती दर पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं 2 पर 7 मार्च को वाटर वेंडिंग मशीन सुविधा का शुभारंभ किया गया। वाटर वेंडिंग मशीन से मिलने वाली पानी की कीमत स्टेशन पर मिलने वाली अन्य मिनरल वाटर की कीमत से काफी कम है। वाटर वेंडिंग मशीन के माध्यम से यात्रियों को फिल्टर्ड और स्वच्छ पानी मात्र 03 प्रति 300 मिलीलीटर की दर से उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए 500 मिलीलीटर, 1 लीटर 2 लीटर और 05 लीटर की मात्रा में भी पानी किफायती दरों पर उपलब्ध कराया गया है। यात्रियों के पास स्वयं की बोतल लाने का विकल्प भी है, जिससे प्लास्टिक कचरे में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव की जयंती पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में स्वर्गीय श्री दिलीप सिंह जूदेव की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी न केवल प्रखर राष्ट्रवादी थे, बल्कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान के दृढ़ रक्षक भी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन धर्म, संस्कृति और समाज सेवा के लिए समर्पित किया। उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ घर वापसी अभियान एक ऐतिहासिक सामाजिक आंदोलन बना, जिसने हजारों लोगों को उनकी मूल सनातन परंपरा से पुनः जोडने का कार्य किया।

निर्वाचन आयोग अगले तीन महीनों में दशकों पुराने डुप्लीकेट इपिक नंबर के मुद्दे का समाधान करेगा

रायपुर। भारत की मतदाता सूची दुनिया भर में सबसे बड़ा मतदाता डेटाबेस है, जिसमें 99 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का निरंतर अद्यतन किया जाता है और इसके अतिरिक्त, हर वर्ष अक्टूबर से दिसंबर के बीच विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) अभियान चलाया जाता है, जिसकी अंतिम सूची जनवरी माह में प्रकाशित की जाती है। चुनाव वाले राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में एसएसआर चुनाव से पहले भी आयोजित किया जाता है।

हाल ही में संपन्न एसएसआर 2025 के लिए कार्यक्रम 7 अगस्त 2024 को जारी किया गया था और अंतिम मतदाता सूची 6-10 जनवरी 2025 के बीच प्रकाशित की गई। यह प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और सहभागी है, जिसका विवरण निम्नलिखित है- प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की नियुक्ति राज्य सरकार के अधिकारियों में से निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (ईआरओ) द्वारा की

जाती है। प्रत्येक बूथ पर राजनीतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का अधिकार होता है।सभी बीएलए अपने संबंधित बूथ की मतदाता सूची की जांच कर सकते हैं और यदि कोई विसंगति हो तो शिकायत दर्ज कर सकते हैं। घर-घर जाकर किए गए सत्यापन के आधार पर संबंधित बीएलओ अपनी सिफारिशें संबंधित ईआरओ को प्रस्तुत करता है। ईआरओ द्वारा उपरोक्त तथ्यों की जांच के बाद प्रत्येक मतदाता के विवरण का सत्यापन कर सूची को अद्यतन किया जाता है।

तैयार की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची सार्वजनिक रूप से वेबसाइट पर प्रकाशित की जाती है और राजनीतिक दलों को भी उपलब्ध कराई जाती है।

ड्राफ्ट मतदाता सूची की जांच और प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निपटारा करने के बाद ही अंतिम सूची प्रकाशित की जाती है, जिसे ईसीआई की वेबसाइट (https://voters.eci.gov.in/download-eroll) पर बूथ वार उपलब्ध कराया जाता है।यदि किसी व्यक्ति को सूची में कोई आपत्ति हो, तो वह आरपी एक्ट 1950 की धारा 24(ए) के तहत डीएम/जिला कलेक्टर/कार्यपालक मजिस्ट्रेट के पास पहली अपील दायर कर सकता है। यदि वह व्यक्ति पहले अपीलीय प्राधिकारी के निर्णय से संतुष्ट नहीं होता, तो आरपी एक्ट 1950 की धारा 24(बी) के तहत संबंधित राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के पास दूसरी अपील दर्ज कर सकता है।

हाल ही में संपन्न एसएसआर 2025 से संबंधित जानकारी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत की गई है।

डुप्लीकेट इपिक नंबर का समाधान

डुप्लीकेट इपिक नंबर के मुद्दे को लेकर निर्वाचन आयोग ने संज्ञान लिया है। इपिक नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता केवल उसी मतदान केंद्र पर वोट डाल सकता है, जहां वह मतदाता सूची में पंजीकृत है और अन्यत्र कहीं नहीं।

100 से अधिक मतदाताओं की सैंपल जांच से यह स्पष्ट हुआ है कि जिनके इपिक नंबर डुप्लीकेट हैं, वे वास्तविक मतदाता हैं। वर्ष 2000 में राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को इपिक सीरीज आवंटित किए गए थे, लेकिन कुछ ईआरओ ने गलत सीरीज का उपयोग किया, जिसके कारण विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में डुप्लीकेट नंबर जारी हो गए।

अब आयोग ने इस लंबे समय से लंबित मुद्दे के समाधान के लिए तकनीकी टीमों और संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद अगले तीन महीनों में इसे हल करने का निर्णय लिया है। इसके तहत डुप्लीकेट इपिक नंबर वाले मौजूदा मतदाताओं को एक विशिष्ट राष्ट्रीय इपिक नंबर जारी किया जाएगा, ताकि भविष्य में भी यह समस्या न हो।

कर्ज न पटाने पर बैंक कर्मियों ने किया मकान सील

रायपुर। कर्ज की किश्त न पटाने पर महिला नागरिक बैंक के कर्मचारियों ने कल देर शाम कोर्ट की नोटिस का चस्पा करते हुए देवेन्द नगर सेक्टर-2 / सी 198 के मकान को सील कर दिया। उस दौरान घर पर दो महिलाओं और दो बच्चे मौजूद थे जिनमें 72 वर्षीय एक वृद्धा भी शामिल हैं जिसका गंभीर बीमारी की वजह से डायलिसिस चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और सिख समाज के लोग देवेंद्र नगर थाने पहुंचे और बंधकों को छुड़ाने की मांग करते हुए देवेंद्र नगर थाने में जमकर हंगामा किया। समाचार लिखे जाने तक बंधक परिवार रिहा नहीं हुए थे।

देवेन्द नगर सेक्टर-2 / सी 198 में रहने वाली महिलाओं ने 5 वर्ष पूर्व महिला नागरिक बैंक से कर्ज लिया था उसके बाद करोना काल में आर्थिक स्थिति गड़बड़ाने की वजह से वह किश्त नहीं पटा पा रही थी और यह मामला विवादस्पद होने के बाद कोर्ट में चला गया जहां न्यायिक मजिस्टेट की अदालत में सील करने के आदेश दिए थे। उसके मुताबिक एसडीएम के अमले के साथ बैंक कर्मियों ने कल महिला के देवेन्द नगर सेक्टर-2 / सी 198 घर जाकर पूरे मकान को कोर्ट की नोटिस चस्पा कर सील कर दिया। उस दौरान घर पर दो महिलाओं और दो बच्चे मौजूद थे, उनमें से 72 वर्षीय एक वृद्धा भी शामिल हैं ।

राज्य मुख्य सूचना आयुक्त के लिए साक्षात्कार 26 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के पद के लिए 26 मार्च को साक्षात्कार बुलाया गया है। अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

राज्य मुख्य सूचना आयुक्त के पद के लिए 114 आवेदनकर्ताओं ने आवेदन प्रस्तुत किया है। सर्च समिति ने आवेदनों की प्रारंभिक स्क्रूटनी के बाद 33 लोगों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा 7 जनवरी 2025 को जारी निर्देश के अनुसार, राज्य मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों के संबंध में मापदण्ड तय कर परीक्षण कर अनुशंसा देने के लिए गठित सर्च कमेटी की 5 मार्च को बैठक हुई। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ की अध्यक्षता में हुई बैठक में निहारिका बारिक, सोनमणि बोरा और अविनाश चम्पावत उपस्थित हुए। बैठक में राज्य मुख्य सूचना आयुक्त के पद के लिए 114 आवेदनकर्ताओं से प्राप्त आवेदन की प्रारंभिक स्क्रूटनी की गई।

समिति ने आवेदनों की संख्या अधिक होने के कारण विधि विज्ञान और प्रोद्योगिकी, समाजसेवा, प्रबंध, पत्रकारिता, जनसंपर्क या प्रशासन और शासन में 30 वर्ष या उससे अधिक अनुभव वाले 65 वर्ष से कम आयु के आवेदनकर्ताओं को ही 26 मार्च को नवा रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में साक्षात्कार के लिए आमंत्रित करना का फैसला लिया।

हंगामे के बीच हुआ बिलासपुर जिपं अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव

■ महज एक वोट के अंतर से जीते भाजपा प्रत्याशी

बिलासपुर। जिला पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव के दौरान हंगामा मच गया। बस बात केवल इतनी थी कि जिला पंचायत सभा कक्ष के लिए पीछे का दरवाजा खोलने दिया गया था। इस पर कांग्रेसियों ने विरोध जताते हुए जमकर हंगामा मचाया।

बता दें कि जिला पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के लिए कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों के बीच कांटे का मुकाबला था। कुर्सी हासिल करने के लिए एक-एक वोट के लिए संघर्ष था। आखिरकार भाजपा के राजेश सूर्यवंशी ने कांग्रेस समर्थित सतकली बावरे को एक वोट से पराजित कर अध्यक्ष पद पर काबिज हुए। जिला पंचायत के 17 सदस्यों में बीजेपी के 9 और कांग्रेस व निर्दलीय के साथ 8 सदस्य थे। वोट भी इसी संख्या के हिसाब

से हुआ। अध्यक्ष पद की तरह उपाध्यक्ष पद पर भी कांटे की टक्कर हुई। बीजेपी की ललिता कश्यप कांग्रेस की स्मृति त्रिलोक श्रीवास को महज एक वोट से पराजित कर उपाध्यक्ष बनीं। ललिता कश्यप को 9 वोट मिले, वहीं स्मृति श्रीवास को 8 सदस्यों का ही समर्थन मिला।

भाजपा के विनोद सोनी निर्विरोध चुने गए बिलासपुर नगर निगम के सभापति

नगर निगम बिलासपुर के नए सभापति के रूप में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पार्षद विनोद सोनी निर्विरोध चुने गए हैं। सभापति पद के लिए बीजेपी ने पहले ही उनके नाम को तय कर लिया था, हालांकि इसकी औपचारिक घोषणा बाकी थी। कांग्रेस ने इस पद के लिए अपना कोई प्रत्याशी नहीं उतारा, जिससे विनोद सोनी को बिना किसी मुकाबले के यह पद हासिल हो गया।

गौरतलब है कि बिलासपुर नगर निगम के कुल 70 वार्डों में से 49 वार्डों में बीजेपी के पार्षद हैं, जबकि कांग्रेस के पास 18 पार्षद और निर्दलीय पार्षदों की संख्या 3 है। पहले से ही बहुमत में होने के कारण बीजेपी का सभापति बनना तय माना जा रहा था, लेकिन कांग्रेस ने भी इस पद के लिए कोई प्रत्याशी नहीं उतारा, जिससे चुनाव की प्रक्रिया आसान हो गई। नगर निगम के नए सभापति के रूप में चुने जाने के बाद विनोद सोनी जल्द ही पदभार ग्रहण करेंगे। बीजेपी के नगर निगम में मजबूत पकड़ के चलते पार्टी समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासो से होली के पूर्व गन्ना किसानों को मिली बड़ी सौगात

■ किया 5.22 करोड़ का भुगतान

कवर्धा। होली त्योहार के पहले गन्ना किसानों को बड़ी सौगात मिली है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर होली के त्योहार से पहले गन्ना किसानों के चेहरे पर खुशी लाने के लिए भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना ने 7 मार्च 2025 को 5.22 करोड़ रुपये का भुगतान जारी किया।

पेराई सत्र 2024-25 के दौरान गन्ना किसानों को 315.10 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया गया है। अब तक कारखाने द्वारा कुल 50.21 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जिससे क्षेत्र के हजारों किसानों को सीधा लाभ मिला है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में लगातार यह सुनिश्चित किया जा रहा कि गन्ना किसानों को भुगतान समय पर मिले।भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा इस सत्र में कुल 2.78 लाख मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की गई,

जिससे 2.59 लाख क्विंटल शक्कर का उत्पादन हुआ। यह सफलता क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के हक और सम्मान को सर्वोपरि मानती है। हमने सुनिश्चित किया कि होली से पहले किसानों को उनका मेहनताना मिले, ताकि वे खुशी और आत्मनिर्भरता के साथ त्योहार मना सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार के इस कदम से गन्ना किसानों में उत्साह देखने को मिल रहा है। किसान परिवार अब होली को और हर्षोल्लास के साथ मना सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने किसानों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गन्ना किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनके परिश्रम से मिठास घर-घर तक पहुंचती है। सरकार उनकी समृद्धि के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसानों को उनके परिश्रम का पूरा मूल्य मिले और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनें। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों से उनकी आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित हो रही है। यह भुगतान किसानों के लिए न केवल एक आर्थिक राहत है, बल्कि होली के त्यौहार की मिठास को और बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

भू माफियाओं और अफसरों के खिलाफ अपराध दर्ज कराएं: कन्हैया

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि शासकीय जमीनों के बंदरबांट और जमीन मुआवजा घोटाले के सभी दोषियों के खिलाफ जुर्म पंजीबद्ध करने के साथ ही घोटाले की राशि वसूलने की कार्रवाई भी की जानी चाहिए। जमीन के मुआवजे का घोटाला तो अभी केवल 07 गांव का सामने आया है जबकि इस मामले में 300 गांव की जमीन का अधिग्रहण किया गया है , सभीअधिग्रहित जमीनों की भी जांच की जानी चाहिए।

अग्रवाल ने कहा कि राजस्व विभाग में भू माफियाओं का पूरी तरह से कब्जा हो गया है। कोरबा में ढाई सौ एकड़ झाड़ - जंगल जमीन निजी नाम पर चढ़ा दी गई केवल एक पटवारी सस्पेंड हुआ बाकी सब को संरक्षण मिल रहा है। गरियाबंद जिले में सात गांव की ही अधिग्रहित जमीनों की जांच में ढाई सौ करोड़ से ज्यादा का घोटाला सामने आ चुका है, 300 गांव की अधिग्रहित जमीनों की जांच में स्थिति क्या होगी इसका आकलन भी किया जाना मुश्किल है। लेकिन एक दो अफसरों के सिवाय इस मामले में भूमाफियाओं और संबंधित सभी अधिकारियों कर्मचारियों को बचाने का प्रयास लगातार जारी है। मठ मंदिरों की जमीनों को हस्तांतरित करने के काम में लगे माफियाओं को बचाने के लिए भी शासन प्रशासन के लोग पूरी उदारता के साथ लगे हुए हैं। इसीलिए विधानसभा के अंदर स्पीकर साहब को कहना पड़ता है की राजस्व विभाग को वेंटिलेटर में जाने से बचा लीजिए। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से जमीन घोटाले में संलिप्त सभी भूमाफियाओं, अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध करने के साथ ही घोटाले की राशि वसूली हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग करते हुए कहा कि सुशासन में जारी कुशासन के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक है।

एक करोड़ से अधिक महिलाओं का बन चुका आयुष्मान कार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 13 दिसंबर 2023 को विष्णु देव साय सरकार के शपथ ग्रहण से लेकर अब तक 15 लाख 31 हजार 857 महिलाओं के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। यदि आँकड़ों को देखें, तो राज्य में हर महीने औसतन 1 लाख से अधिक महिलाओं के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। यह निरंतर जारी प्रयास राज्य की महिलाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने और उन्हें चिकित्सा सेवाओं से जोड़ने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

योजना के तहत आयुष्मान कार्ड पंजीकरण पूर्णतः निःशुल्क है। प्रदेशभर में सभी च्वाइस सेंटर, शासकीय अस्पतालों और निजी अनुबंधित अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा उपलब्ध है। शासकीय कार्य दिवसों में लोग इन केंद्रों पर जाकर निःशुल्क पंजीयन करवा सकते हैं।

यदि कोई व्यक्ति स्वयं आयुष्मान कार्ड बनवाना चाहता है, तो यह भी ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से संभव है। गूगल प्ले स्टोर पर आयुष्मान भारत एप डाउनलोड करके स्वयं कार्ड पंजीकरण किया जा सकता है। यह सुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जो डिजिटल सेवाओं का उपयोग कर आसानी से घर बैठे पंजीयन

कराना चाहते हैं। इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए पहले ही बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपना पंजीकरण पूरा कर लिया है।

छत्तीसगढ़ सरकार का यह प्रयास राज्य में स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने, महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयुष्मान भारत योजना के तहत अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है, जिससे वे निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें। यह उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के तहत महिलाओं के आयुष्मान कार्ड पंजीयन की प्रक्रिया तेज़ी से चल रही है। योजना के प्रारम्भ से अब तक 1 करोड़ 20 लाख 65 हजार 107 महिलाओं का आयुष्मान कार्ड बन चुका है। प्रदेश सरकार ने महिलाओं को राशन कार्ड में परिवार का मुखिया बनाए जाने की नीति को इस योजना से भी जोड़ा है, जिससे आयुष्मान कार्ड पंजीयन को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। राज्य के 33 जिलों में राशन कार्डधारी परिवारों की महिलाओं के आयुष्मान कार्ड पंजीयन का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में बड़ी संख्या में महिलाएँ इस योजना के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं से लाभान्वित हो रही हैं।

राज्य में राशन कार्डधारी कुल आबादी के अनुपात में देखा जाए तो आयुष्मान कार्ड पंजीयन में महिलाओं की भागीदारी 44% से अधिक हो चुकी है। यह न केवल स्वास्थ्य सेवा तक महिलाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि यह राज्य सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं की सफलता का भी प्रमाण है। आयुष्मान कार्ड पंजीयन के बाद, पंजीकृत महिलाओं को राज्य के सरकारी और निजी अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध हो रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुँच और भी सुलभ हुई है।

महात्मा गांधी मार्ग व्यापारी विकास संघ के अध्यक्ष बने संजय जादवानी

रायपुर। संजय जादवानी को महात्मा गांधी मार्ग व्यापारी विकास संघ की संपन्न हुई आमसभा में निर्विरोध व्यापारी संघ का अध्यक्ष चुनाव लिया गया। अध्यक्ष पद के लिये निर्धारित समय तक कोई भी आवेदन पत्र प्राप्त न होने पर अध्यक्ष पद के लिये संजय जादवानी के नाम का प्रस्ताव जैन विकास सिपानी ने किया जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया।

महात्मा गांधी मार्ग व्यापारी विकास संघ की आमसभा बैठक जवाहर नगर स्थित श्री अग्रसेन भवन में आयोजित की गई। बैठक में कोषाध्यक्ष अशोक छाबड़ा ने आय व्यय का विस्तृत विवरण दिया, जिसे सदन ने करतल ध्वनि से अनुमोदित किया। तत्पश्चात अध्यक्ष श्री संजय जादवानी ने अपने कार्यकाल में किए गए विशिष्ट कार्यों का विवरण देते हुए कहा की संस्था को व्यवस्थित ढांचा देने, सीमाओं का निर्धारण करने एवं व्यापारियों के डाटा को व्यवस्थित करने, सदस्यता शुल्क के संग्रहण को व्यवस्थित करने, महात्मा गांधी मार्ग पर यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन एवं पुलिस प्रशासन की गश्त के फेरे बढ़ाने हेतु ज्ञापन देने ,और मातृ संस्था छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के माध्यम से विभिन्न व्यापारी सहयोग की गतिविधियों को किया गया अवैध पार्किंग को हटाने एवं साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने, लाइटिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शासन और प्रशासन के साथ संवाद बनाते रहने के कारण महात्मा गांधी मार्ग पर व्यापार- यातायात अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 01.03.2025

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आईडी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1.	06/CE/NH/TC/44-40/2024 (2nd Call)	2025_MoRTH_851301_1	Balance Periodic Renewal Work in km. 14.200 to 25.530 and 31.540 to 55,700 =35.480 km. on N.H. 30 (Old N.H. 221) Jagdalpur-Sukma Road on EPC mode in the state of Chhattisgarh on EPC Mode ("EPC") basis.	14.695 Cr. (i/c GST)

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 01.04.2025 सुबह 11.00 बजे तक है।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र,
रायपुर (छ.ग.)

जी-242505838/4

दुनिया के हीरो बनते वोलोडिमिर जेलेंस्की

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही अमेरिका के सामने यूक्रेन को मजबूरी में कोई समझौता करना पड़े पर इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि व्हाइट हाउस की हालिया घटना से यूक्रेन के राष्ट्रपेति वोलोडिमिर जेलेंस्की रातोंरात हीरो बनकर उभर गए हैं। राजनीतिक विश्लेषक चाहे खुलकर नहीं कहे पर इससे अब नकारा नहीं जा सकता कि जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से वार्ता के दौरान तीखी बहस और तेवर दिखाये हैं दबी जुबान से ही दुनिया के देशों ने इसे सराहा ही है। एक मजे की बात यह कि अब तक अमेरिका का पिछलग्गू माना जाने वाला यूरोप भी अब अमेरिकी तानाशाही के खिलाफ खुलकर सामने आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तानाशाही व्यवहार को देखते हुए योरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने तो लेवेंस्की को यहां तक विश्वास दिलाया है कि आप अकेले नहीं है प्रिय राष्ट्रपति। मजबूत बने, निडर बने। हम न्यायपूर्ण स्थाई शांति के लिए आपके साथ काम करना जारी रखेंगे। यूरोप के तो करीब करीब सभी देश यूक्रेन के पक्ष में खुलकर आ गए हैं। चाहे वह फ्रांस हो, पोलण्ड हो, जर्मनी हो, नार्वे हो, स्पेन, इटली हो, एस्टोनिया हो या अन्य देश। सभी ने एक स्वर में यूक्रेन का साथ और सहायता देने का संकल्प दोहराया है। यूरोपीय संघ तो ट्रम्प को छोड़ कोई नया नेता ढूंढ़ने पर विचार आरंभ कर दिया है। देखा जाए तो अमेरिका की छवि बीच चौराहे पर साथ छोड़ देने वाले देश की बनती जा रही है। कल तक रुस का धूर विरोधी अमेरिका रुस के साथ प्यार की पीगे बढ़ाता दिख रहा है तो दूसरी और यूक्रेन जोकि अमेरिका और अन्य देषों के भरोसे ही अदम्य साहस का परिचय देते हुए रुस को लोहे के चने चबवा रहा है उस यूक्रेन और यूक्रेन के नागरिकों के साहस को नमन करने के स्थान पर आज अमेरिका यूक्रेन को रुस के सामने झुकने को बाध्य करना चाहता है। दरअसल अमेरिका की नजर दुनिया के देशों और उनकी संपदाओं पर है। खासतौर से अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प दुनिया के देशों को डंडे के जोर पर हांकना चाहते हैं। ट्रम्प चाहते हैं कि जो अमेरिका चाहे वही हो, यही कारण है कि एक और टैरिफ वार पर दुनिया के देशों को झोंक दिया है तो दूसरी ओर ग्रीन लैण्ड हड़पना चाहता है। कनाडा को 51 वां राज्य बनाना चाहता है। यूक्रेन के हजारों करोड़ डॉलर की खनिज संपदा पर नजर गड़ाये ट्रम्प यूक्रेन को 500 करोड़ डालर की खनिज संपदा पर समझौता करना चाहता हें यूक्रेन राष्ट्रप्रति देश के व्यापक हित में समझौता करने को तैयार होने के बावजूद जिस तरह से वार्ता के दौरान ट्रम्प ने तेवर दिखाएं उसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता है। यही कारण है कि वार्ता के दौरान जिस तरह के तेवर जेलेंस्की ने दिखाया उसे सारी दुनिया ने इसलिए सराहा कि एक तानाशाह को कम से कम चुनौती देने वाला तो मिला। भले ही इसके परिणाम कुछ भी हो। यूक्रेन को अमेरिका से समझौता करना पड़े पर एक बार अमेरिका और दुनिया के देशों को जेलेंस्की ने एक संदेश तो दे ही दिया। यहां तक कि रुस को भी इससे कम सबक नहीं मिला है। यूक्रेन की नैतिक विजय इसी को माना जा सकता हे कि आज यूक्रेन की खनिज संपदा के समझौते को विफल करने के लिए रुस अपनी खनिज संपदा के अधिकार तक देने की पेशकश करने लगा है। यह यूक्रेन की अपने आप में बड़ी विजय के रुप में देखी जानी चाहिए। देखा जाए तो ट्रम्प तानाशाही रवैया अपनाते हुए दुनिया के देशों को ड़राने धमकाने में लगे हुए हैं। हांलाकि चाहे टैरिफ नीति हो या उपनिवेशवादी सोच देर सबेर इसका खामियाजा अमेरिका को ही भुगतना पड़ेगा और व्हाईट हाउस में ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस और नोकझोंक से दुनिया के देशों में साहस का संचार हुआ है। व्हाइट हाउस की घटना का तात्कालिक परिणाम ही यह सामने आ गया है कि यूरोप के देश एक स्वर में यूक्रेन के साथ खड़े होने लगे है तो दूसरी और अपना नया नेता चुनने पर विचार करने लगे हैं। हांलाकि जेलेंस्की ने देश हित को पहली वरियता दी है और अमेरिका से अब भी खनिज संपदा के अधिकार देने पर सहमति समझौता करने को लगभग तैयार है।

क्रूर एवं आक्रांता मुगल शासक हमारे आदर्श कैसे?

ललित गर्ग

मुगल बादशाह औरंगजेब की क्रूरता, अत्याचार एवं यातनाएं एक बार फिर बॉलीवुड की फिल्म छावा के कारण सुर्खियों में है। इस बार मामला सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीति में भी गर्मा गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल ला दिया है एवं देश के बहुसंख्य समाज की भावनाओं को आहत किया है। भारत में आज भी एक ऐसा वर्ग है जो इस्लामिक कट्टरता के साथ जुड़ने में गर्व एवं गौरव की अनुभूति करता है, भले ही इससे देश की एकता एवं अखण्डता क्षत-विक्षत होती हो। इस्लाम के नाम पर जिसने हजारों हिंदू मंदिरों को ध्वस्त किया, तलवार की नोक पर बड़ी संख्या में लोगों को जबरन मुसलमान बनाया, ऐसे क्रूर एवं सांप्रदायिक शासक औरंगजेब को नेकदिल और महान शासक बताना, आखिर किस तरह की सोच है? भारत के अतीत को जघन्य अपराधों, कट्टरतावादी सोच एवं यातनाओं से सींचने वाले मुगल शासकों के प्रति यह कैसा मोह एवं ममत्व है? हिन्दू धर्म एवं संस्कृति पर आक्रमण करने वाले हमारे आदर्श कैसे हो सकते हैं? भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं समृद्धि को कुचलने वाले महान् शासक कैसे हो सकता है? इन प्रश्नों को लेकर देशभर में छिड़ी बहस हमें आत्मावलोकन एवं मंथन का अवसर दे रही है।

फिल्म 'छावा' कोरी फिल्म ही नहीं, हिन्दुओं को संगठित करने का अभियान है, जिसने औरंगजेब के क्रूर एवं बर्बर चरित्र को प्रस्तुत किया है, यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में संभाजी के साहस, बलिदान और औरंगजेब के अत्याचारों को दिखाया गया है। संभाजी को औरंगजेब ने छलपूर्वक 1689 में क्रूरता से मरवा दिया था, जिसे फिल्म में भावनात्मक ढंग से पेश करने की सफल एवं सार्थक कोशिश हुई है। इस फिल्म में समाजवादी पार्टी के नेता और महाराष्ट्र विधायक अबू आजमी ने इतिहास को गलत ढंग से पेश करने का आरोप लगाते हुए औरंगजेब की तारीफ करके विवाद को और

हवा दे दी। आजमी ने कहा, औरंगजेब क्रूर शासक नहीं था। उसने कई मंदिर बनवाए और उसके शासन में भारत सोने की चिड़िया था। आजमी ने यह भी दावा किया कि औरंगजेब और संभाजी के बीच की लड़ाई धार्मिक नहीं, बल्कि सत्ता की थी। इस तरह मुगल आक्रांताओं की तारीफ करना सपा के डीएनए में है। हो सकता है आजमी का यह औरंगजेब प्रेम एवं मुस्लिम कट्टरतावादी सोच हो, लेकिन औरंगजेब ने संभाजी महाराज को 40 दिनों तक जो यातनाएं दीं, वह क्या थी? उनकी आंखें निकाली गईं, जीभ काटी गई, उनके शरीर को लहूलुहान करके उस पर नमक छिडका और फिर उनकी हत्या कर दी गई, इस तरह क्रूरता एवं बर्बरता बरतने वाले शासक को कैसे आदर्श कहा जाये? असंख्य महिलाओं एवं बच्चों पर अत्याचार करना, जबरन धर्म परिवर्तन कराना, हिन्दू मन्दिरों को तोड़ना, देश की समृद्धि का गलत उपयोग करना कैसे प्रेरणास्पद हो सकता है?

औरंगजेब पोत राज्यों, राजपूताना और मराठा शासकों के परिवारों का अपहरण कर लेता था और उन्हें बंधक बना लेता था। ताकि वह निर्विरोध शासन करते हुए सम्पूर्ण भारत पर आधिपत्य कर सके। उसने सभी गैर-मुस्लिम प्रजा और पोत राज्यों से धार्मिक असहिष्णुता कर जज़िया वसूला। औरंगजेब एक असहिष्णु, क्रूर एवं कट्टरपंथी था और उसकी कट्टरता के कारण करोड़ों लोगों को कष्ट सहना पड़ा। शांति और बहुसंस्कृतिवाद की भूमि भारत में ऐसे अत्याचारी को आदर्श नहीं बनाया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब औरंगजेब जैसे मुगल शासकों के प्रति प्रेम का प्रदर्शन उमड़ा हो, जब दिल्ली की एक सड़क का नाम औरंगजेब रोड से बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया था, तब भी बहुत हाय-तौबा मचाई गयी थी। उस समय भी अनेक लोगों ने औरंगजेब को महान शासक बताया था। जबकि इतिहासकारों ने भी दर्ज किया है छल से छत्रपति संभाजी को पकड़ने के बाद औरंगजेब ने अत्याचार एवं अमानवीयता की सभी हद पार करते हुए जुल्म किए। औरंगजेब छत्रपति संभाजी को इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर कर रहा था लेकिन छत्रपति ने सब प्रकार के कष्ट सहे लेकिन इस्लाम कबूल नहीं किया। जब फिल्मकार ने इस सच को सिनेमा के माध्यम से सबके सामने रखा तो अबू आजमी ने सच को स्वीकारने की बजाय इतिहास को ही झुठलाने का प्रयास किया। उनके बयान की पक्ष-विपक्ष सबने आलोचना की है। कुल मिलाकर, औरंगजेब की तारीफ करने पर चौतरफा घिरे सपा विधायक अबू आजमी को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। उनके खिलाफ दो एफआईआर भी दर्ज की गई हैं जब मामला और बिगड़ गया तो अबू आजमी ने माफी मांगी। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने जो कहा, वह इतिहासकारों के हवाले से कहा। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि वे कौन से इतिहासकार हैं जिनका हवाला अबू आजमी दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि अबू आजमी सरीखे कुछ चाटुकार एवं चारण लोग इतिहासकारों में भी हुए हैं, कांग्रेस के शासन में ऐसे इतिहासकारों से मुगल शासन को महिमामंडित करके लिखवाया गया एवं स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर हिन्दुस्तान की रग-रग में उतारा गया है। औरंगजेब जैसे तानाशाही शासकों के क्रूर चेहरे को छिपाने के लिए झूठे-सच्चे कुछ किस्सों का सहारा लिया है। परंतु ये फर्जी इतिहासकार सच को छिपा नहीं सके। सिद्धांत, सच और व्यवस्था के आधारभूत मूल्यों को मटियामेट कर सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक स्तर पर कीमत वसूलने की ऐसी कोशिशों से बहुत नुकसान हो चुका है, अब इन मनसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जा सकता। सत्य को ढका जाता रहा है पर स्वीकारा नहीं गया। और जो सत्य के दीपक को पीछे रखते हैं वे मार्ग में अपनी ही छाया डालते हैं, भ्रम पालते हैं, झूठ एवं फरेब के सहारे गलत को सही ठहराने की कुचेष्टा करते हैं।

शिवाजी की मृत्यु के बाद उनके बेटे संभाजी ने मराठा साम्राज्य को संभाला। उन्होंने स्वराज्य के संकल्प को ही आकार नहीं दिया बल्कि एक नवीन राज्य निर्मित किया एवं एक नवीन महत्तर महाराष्ट्र को पुनर्जीवित किया। मराठों में साहसिक वीरता, उत्कृष्ट सहनशीलता, घोर निराशा में आशा की भावना, आत्मविश्वास, उच्च आदर्शों के प्रति निष्ठा, श्रेष्ठ सैनिक नैतिक बल, आत्म बलिदान, राष्ट्रीय और देशप्रेम की उत्कृष्ट भावना जैसे गुण विकसित किए और इससे वे इतने शक्तिशाली हो गए कि आगामी 3 पीढ़ियों में वे उत्तरी भारत में विजेता के रूप में पहुंच गए। छत्रपति शिवाजी एवं उनके वंशज देश के अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की हर कोशिश को नाकाम करते रहे हैं। औरंगजेब की क्रूरताएं सिर्फ दुश्मनों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके शिकार उसके भाई और पिता भी हुए। इतिहासकार इरफान हबीब ने औरंगजेब की क्रूरता के अनेक किस्सों को उजागर करते हुए बताया कि मुगल सत्ता पाने की लालच में औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को जेल भिजवाया। फिर दारा शिकोह को जंग में हराया। हालांकि जंग हारने के बाद दारा मैदान छोड़कर भाग गया था। लेकिन औरंगजेब ने दारा को गिरफ्तार करवाया और षडयंत्र रचकर उसकी गर्दन कलम करवा दी। औरंगजेब सिर्फ दारा शिकोह की हत्या से खुश नहीं हुआ। उसने हत्या की बाद क्रूरता की हदें भी पार की। एक भाई के साथ ऐसी क्रूरता भारतीय इतिहास में देखने को नहीं मिलती। उसने दारा का कटा हुआ सिर जेल में बंद पिता को भेजा। मुगल शासक औरंगजेब को लेकर महाराष्ट्र से शुरू हुई बयानबाजी की आंच समूचे देश मे पहुंच गयी है। हिन्दुओं में गहरा आक्रोश एवं रोष है। मांग उठ रही है कि मुगल सम्राट औरंगजेब को बर्बर शासक घोषित किया जाए और भारत में उसके नाम पर रखे गए सभी सड़कों और स्थानों के नाम बदलने के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाए। जैसाकि संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने ओसामा बिन लादेन और फ्रांसीसी व रूसी क्रांति के अवशेषों के साथ किया था। किसी भी राष्ट्र एवं समाज का निर्माण इतिहास के सच और ईमानदारी से ही बनता है। और यह सब प्राप्त करने के लिए ईमानदारी के साथ सौदा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह भी एक सच्चाई है कि राष्ट्र, सरकार एवं समाज ईमानदारी से चलते एवं बनते हैं, न कि झूठे इतिहास से।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

यथा- समरस्तारकामयः। (श्रीमद्भागवत 6। 1-4।7) अर्थात् - यह युद्ध तारागणों का पारस्परिक संघर्ष ही समझना चाहिए।

शुक्र नामक यह और उसके समकक्ष अन्यान्य ग्रह, उपग्रह, नक्षत्र आदि चन्द्रपिण्ड के अनुकूल आकर्षण में थे, और सूर्य, वायुचक्र, तथा अन्यान्य तारे सितारे सैय्यारे बृहस्पति पिण्ड की अनुकूलता में आकृष्ट थे। यही ज्योतिष शास्त्र प्रसिद्ध %ग्रह-युद्ध% यहां देवासुर संग्राम रूप से वर्णित है। इस तरह इस संदर्भ का विश्लेषण करके ऐतिहासिक और वैज्ञानिक तत्त्वों की सीमा निर्धारित कर लेनी चाहिये फिर किसी वज्रमूर्ख को वैज्ञानिक अंश के विमिश्रण से ऐतिहासिक तथ्य में अश्लीलभास का भ्रम न होगा।

इसी तरह ब्रह्मा-पुत्री इन्द्रवृत्रासुर इन्द्रअहिल्या और उतथ्य-ममता आदि से सम्बन्ध रखने वाली पचासों कथाएं भी इतिहास के साथ 2 अध्यात्म, देवचारित्र्य, भौतिकविज्ञान और धर्मतत्त्व आदि रहस्यों के विमिश्रण से परिपूरित हैं जिनका उचित विश्लेषण करने पर ही जिज्ञासु को ऐतिहासिक तथ्य उपलब्ध हो सकता है।

यही पुराणशैली की विशेषता है जिस का मनन करने पर पुराणों में प्रतीत होने वाले असंभव, अश्लील परस्पर विरोध और धर्म-विरोध आदि दोष दोषाभास में परिणत हो जाते हैं।

प्रश्न हो सकता है कि आखिर श्री वेदव्यास जी ने विमिश्रण का यह गड़बड़झाला किया ही क्यों ? जिससे सर्वसाधारण को चक्कर में पड़कर मनमाने दोष लगाने का अवसर मिल गया ! इसका स्पष्ट उत्तर यह है कि आर्यसंस्कृति में अनादि काल से गुरु-शिष्य-सम्प्रदाय प्रणालि को बहुत महत्त्व दिया गया है। इसीलिए सभी ग्रन्थों में कुछ ऐसा वैशिष्ट्य जानबूझ कर रक्खा गया है जो गुरुचरणों में बैठकर अधिकारी शिष्य को ही प्राप्त हो सकता है। **क्रमशः ...**

संगीत की दुनिया में जाकिर हुसैन ने मनवाया अपना लोहा

अनन्या मिश्रा

जाकिर हुसैन भारत के सबसे फेमस तबला वादक हैं। वह एक शास्त्रीय तबला वादक हैं। उन्होंने अपनी इस कला के जरिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी ख्याति प्राप्त की है। उनके तबले से निकलने वाला संगीत लोगों के दिलों को छू जाता था। उन्होंने अपने जीवन में कई फिल्म जगत की हस्तियों, गायकों और नृतक के साथ काम किया है। उनके योगदान को भारतीय शास्त्रीय संगीत के विकास में कोई नही भूल सकता। बता दें कि आज के दिन संगीतकार तबला वादक जाकिर हुसैन का जन्म हुआ था।

जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को महान तबला वादक अल्लाह रखा के घर में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा सेंट माइकल हाई स्कूल से की थी। वहीं

मुंबई के सेंट जेवियर कॉलेज से उन्होंने अपना ग्रेजुएशन पूरा किया। वह बचपन से ही प्रतिभावान थे और संगीत में रुचि रखते थे। महज 3 साल की उम्र से ही जाकिर के पिता ने उन्हें पखावज पढ़ाने लगे थे। जिसके बाद वह 11 साल की उम्र में अमेरिका में अपना पहला कॉन्सर्ट किया था। बता दें कि जाकिर को यह हुनर अपने पिता से विरासत में मिला था।

साल 1973 में लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड नामक एल्बल लांच किया। इस एल्बम के जरिए जाकिर को जनता की खूब वाहवाही मिली। जाकिर पहले ऐसे संगीतकार थे। जिनको पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से व्हाइट हाउस में ऑल-स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा उन्हें कई पुरुस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। मलयालम फिल्म वनाप्रस्थं के लिए जाकिर ने कार्यकर्ता, संगीतकार और भारतीय संगीत सलाहकार के तौर पर काम किया।

पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके जाकिर हुसैन ने बहुत सी फिल्मों में संगीत दिया है और गाना भी गाया है। उनके तबले की धुन का प्रयोग लिटिल बुद्धा जैसी कई फिल्मों में किया गया। जाकिर ने कई फिल्मों में एकल संगीत और विविध बैंड के साथ भी संगीत दिया है। जाकिर ने एकल और ग्रुप दोनों तरह के प्रदर्शन किए हैं। साल 1998 में जाकिर एंड हिज फ्रें और दी स्पीकिंग हैण्डः जाकिर हुसैन भी एकल बैंड में शामिल है। साल 1999 में AFI Los Angeles International Film Festival में मलयालम फिल्म वनाप्रस्थं को ग्रैंड जूरी पुरुस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया था। इसके अलावा जाकिर हुसैन को पद्म श्री, पद्म विभूषण और संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। तबला बजाने के साथ ही जाकिर एक्टिंग में भी रुचि रखते थे। उन्होंने साल 1983 में हीट एण्ड डस्ट फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने द परफेक्ट मर्डर, मिस बैटीज चिल्डर्स और साज जैसी फिल्मों में एक्टिंग की है। मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन ने अन्टोनिया मिन्नेकोला के साथ शादी की। बता दें कि उनकी पत्नी कत्थक नर्तकी और शिक्षिका थी।

यूरोप-नाटो में खलबली, चीन बनेगा महाबली

अभिनय आकाश

फर्ज कीजिए कि वर्ल्ड वॉर टू का समय चल रहा है और हिटलर की जर्मनी पूरे यूरोप पर कब्जा करने को निकल चुकी है। इंग्लैंड के वॉर टाइम प्राइम मिनिस्टर चर्चिल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मदद मांगने के लिए अमेरिका आते हैं। लेकिन उल्टा राष्ट्रपति ट्रम्प चर्चिल को झटका दे देते हैं। प्रेसिडेंट ट्रम्प चाहते हैं कि चर्चिल हिटलर के साथ समझौता करें। अंत मे चर्चिल अमेरिका को माइनिंग राइट्स देने से मना कर देते हैं। हिटलर के सामने झुकने से इनकार कर देते हैं। चाहे लंदन में बमबारी हर रात जारी रहे। अपने आप को अपमानित पाकर ट्रम्प ये फैसला करते हैं कि सहयोगियों को सारी सहायता वो बंद कर देंगे और हिटलर के साथ वो खुद जाकर हाथ मिलाएंगे। शांति का प्रस्ताव हिटलर के सामने खुद ट्रम्प रखेंगे। आप कह रहे होंगे कि आज हम कैसी बात कर रहे हैं। ये सच है कि न ट्रम्प रूज़वेल्ट के करीब आते हैं न जेलेन्स्की चर्चिल हैं। लेकिन बाकी की कहानी सच है। अमेरिका ने वर्ल्ड वॉर टू के हिटलर के साथ हाथ मिलाने वाला काम कर लिया है। पिछले हफ्ते जेलेन्स्की को नीचा दिखाने वाला प्लान फेल हो गया। उसके बाद यूरोपियन लीडर्स ने जेलेन्स्की का साथ दिखाया तो आज तिलमिलाकर प्रेसिडेंट ट्रम्प ने यूएस मिलिट्री एड टू यूक्रेन पर रोक लगा दिया है। उद्देश्य वही है यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत करने को मजबूर हो जाएं।

28 फरवरी को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मिले। बात शांति बहाल पर होनी थी। लेकिन ये हो न सका। जेलेन्स्की व्हाइट हाउस से बाहर आए। मीडिया रिपोर्ट्स ने ये कहा कि उन्हें निकाला गया। इसके बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जेलेन्स्की शांति नहीं चाहते। जब उन्हें पीस चाहिए हो, तब वो वापस आ सकते हैं। पर जिस कूचे से जेलेन्स्की बेआबरू होकर निकले। वहां वापस लौटना उन्हें गंवारा न था। सो वो वाइट हाउस दोबारा नहीं गए। फिर हेडलाइन छपी की

ट्रम्प सेंड जेलेन्स्की होम विथ नो डील एंड नो मील। लेकिन सवाल ये है कि रूस और यूक्रेन की ये जंग शुरू कैसे हुई? इस जंग से अमेरिका का क्या रिश्ता है। इस जंग का अंत क्या होगा और युद्ध रुकने में पेंच कहां फंसा है।

यूक्रेन और रूस के बीच का विवाद बहुत पुराना है। पूरे मामले का 1400 साल पुराना इतिहास है। उस वक्त न तो रूस हो या यूक्रेन पूरे विशालकाय भू भाग को कीवियन रूस के नाम से जाना जाता था। माना जाता है कि रूस शब्द ओल्ड नॉर्स का टर्म है। रूस शब्द का अर्थ होता है जो चप्पू से नाव खेता है। ओवेग नामक राजा ने अपनी शक्ति के बल पर 879 ई में कीवियन रूस पर कब्जा जमा लिया। 10वीं और 11वीं शताब्दी में कीवन रस अपने सबसे बड़े आकार और शक्ति पर पहुंच गया। 988 ईस्वी में, कीव के ग्रैंड प्रिंस, व्लादिमीर (वलोडिमिर) द ग्रेट ने ईसाई धर्म को राज्य धर्म बना दिया। कीवन रस का शिखर यारोस्लाव द वाइज़ के अधीन आया, जिसने 1019-54 तक शासन किया। बेलारूस, रूस और यूक्रेन सभी कीवियन रूस को ही अपना सांस्कृतिक पूर्वज मानते हैं। बेलारूस और रूस ने तो किवियन रूस से ही अपना वर्तमान का नाम हासिल किया है। 17वीं शताब्दी में रूस और यूक्रेन के पूर्ववर्ती राज्य के बीच एक संधि हुई। इसके बाद यूक्रेन धीरे धीरे रूस के नियंत्रण में आ गया। पर जब 1922 में सोवियत संघ बना तो यूक्रेन भी इसका हिस्सा बन गया।

1991 में यूएसएसआर का विघटन हो गया। यूक्रेन में आजादी की मांग कुछ साल पहले से बढ़ रही थी, और 1990 में, 300,000 से अधिक यूक्रेनियन ने स्वतंत्रता के समर्थन में एक मानव श्रृंखला बनाई और छात्रों की तथाकथित ग्रेनाइट क्रांति ने एक नए समझौते पर हस्ताक्षर को रोकने की मांग की। 24 अगस्त, 1991 को, राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव को हटाने और कम्युनिस्टों को सत्ता में बहाल करने के लिए तख्तापलट की विफलता के बाद, यूक्रेन की संसद ने देश के स्वतंत्रता अधिनियम को अपनाया। इसके बाद, संसद के प्रमुख लियोनिद क्रावचुक यूक्रेन के पहले राष्ट्रपति चुने गए। दिसंबर 1991 में, बेलारूस, रूस और यूक्रेन के नेताओं ने औपचारिक रूप से सोवियत संघ को भंग कर दिया और स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) का गठन किया। तब रूस और यूक्रेन के बीच एक समझौता हुआ। इसके तहत यूक्रेन ने अपने सभी परमाणु हथियार रूस को सौंप दिए। बदले में रूस ने वादा किया कि वो यूक्रेन पर कभी हमला नहीं करेगा।

फिर इस कहानी में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की एंट्री हुई। पुतिन 2000 में रूस के राष्ट्रपति बने। वो सोवियत संघ के टूटने को एक बड़ी त्रासदी मानते थे। साल 2018 की बात है एक पत्रकार ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से पूछा कि आप अपने देश के इतिहास में किस घटनाक्रम को पलटना चाहोगे। पुतिन ने एक लाइन में बोला- द कोलैप्स ऑफ द सोवियत यूनियन। कई मौके ऐसे आए जब पुतिन ने साफगोई से कहा कि अगर वो ऐसा कर सकते तो यूएसएसआर के विघटन की कहानी को उलट कर रख देते। कुछ ऐसा ही रूसी राष्ट्रपति करते भी नजर आ रहे हैं। इतिहास को पलटने, पुराना इतिहास वापस लाने या फिर कहे कि एक नया ही इतिहास लिखने की कोशिश में रूसी राष्ट्रपति नजर आ रहे हैं। 2014 में रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया क्षेत्र पर कब्जे से इसकी शुरुआत भी कर दी।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को शुरू हुए 3 साल से भी ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। अमेरिका इन 3 सालों में यूक्रेन का सबसे बड़ा सैन्य मददगार रहा है, लेकिन अब बहुत कुछ बदल चुका है। हाल में ही व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच तीखी बहस हुई थी। इस बहस के बाद दुनिया भर के नेताओं ने इस पर प्रतिक्रिया दी थी। रूस ने भी यूक्रेन के राष्ट्रपति की खिल्ली उड़ाई थी। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें रूस से मजबूत संकेत मिले हैं कि वह शांति के लिए तैयार है, साथ ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने उन्हें पत्र लिखकर कहा है कि उनका देश वार्ता की मेज पर आने और खनिज एवं सुरक्षा संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है।

ट्रंप ने यूक्रेन पर अहसानफरामोशी का आरोप लगाया था। इसी के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा था कि रूस के साथ शांति में काफी वक्त लगेगा। लेकिन इस पूरे प्रकरण के बाद उन पर ट्रंप के साथ रिश्तों को सुधारने का दबाव था। इस बीच, पिछले सोमवार को ट्रंप ने यूक्रेन को सैन्य मदद रोकने का एलान कर दिया। इन बातों को देखते हुए जेलेंस्की का यह कदम मजबूरी में उठाया गया लगता है। ट्रंप यह भी चाहते हैं कि अमेरिका ने यूक्रेन को जो 100 बिलियन डॉलर की मदद दी है, उसके बदले यूक्रेन उसे अपने यहां के रेयर अर्थ मिनरल्स दे। युद्ध रुकने के बाद ट्रंप यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी नहीं देंगे। उनका कहना है कि रेयर अर्थ की माइनिंग के लिए अमेरिकी लोगों के यूक्रेन में होने की वजह से रूस उस पर हमला नहीं कर सकेगा। लेकिन तीन साल पहले जब व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला बोला था, तब भी अमेरिकी कंपनियां वहां काम कर रही थीं। यूक्रेन को लेकर अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों के बीच भी दूरी बढ़ रही है। वहीं, बाइडन सरकार ने लोकतंत्र और पुतिन के विस्तारवादी अजेंडा को रोकने के लिए यूक्रेन की मदद की थी, जबकि ट्रंप ने इसे सौदेबाजी में बदल दिया है। इससे अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच गलत संदेश जाएगा।

आज का इतिहास

1934 नाजी जर्मनी ने द राइज ऑफ़ कैथरीन द ग्रेट के प्रकाशन पर रोक लगायी, क्योंकि उसके स्टार और निर्देशक यहूदी थे।

1944 द्वितीय विश्व युद्ध-नरवा की लड़ाई के हिस्से के रूप में, सोवियत वायु सेना ने टालिन, एस्टोनिया पर भारी बमबारी की, जिसमें 800 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर अमेरिकी थे।

1945 द्वितीय विश्व युद्ध-ए-बम पर अमेरिकी बी -29 भारी बमवर्षकों ने बमबारी शुरू कर दी, जिसमें 100,000 से अधिक लोग मारे गए।

1946 जूहो कुस्ति पासीकिविन फिनलैंड के राष्ट्रपति बने।

1946 इंग्लैंड के बोल्टन में एक फुटबॉल स्टेडियम बर्डन पार्क में भगदड़ में तैंतीस लोग मारे गए।

1951 यूनाइटेड आर्टिस्ट ने संयुक्त राज्य अमेरिका में विज्ञान-वन, फिल्म द मैन ऑफ़ प्लैनेट एक्स रिलीज किया।

1956 जॉर्जिया के त्बिलिसी में, सोवियत सेना के सैनिकों ने सोवियत नेता निकिता ख्रुश्चेव की डी-स्तालिनकरण नीति के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोधाभासों को दबा दिया।

1959 दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली गुड़िया बार्बी ने न्यूयॉर्क शहर में अमेरिकनइंटरनेशनल टॉय फेयर में डेब्यू किया।

1961 डमी मानव के साथ रूसी अंतरिक्ष यान स्पूतनिक 9 का सफल प्रक्षेपण हुआ।

1976 जर्मनी के कवालेसे में केबल कार दुर्घटना में 42 लोगों की मौत हुई।

1977 वाशिंगटन, डीसी में बारह बंदूकधारियों ने तीन इमारतों को जब्त कर लिया और 39 घंटे के गतिरोध में 149 बंधकों को ले लिया, जो केवल दो मौतों में समाप्त हो गए।

1977 अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में हनाफी मुस्लिम गुट ने तीन इमारतों पर हमला कर 149 लोगों को बंधक बनाया, दो की हत्या की।

1983 मानहानि की वजह से ऐनी बूरफोर्ड ने संयुक्त राज्य अमेरिका के पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रमुख के रूप में इस्तीफा दिया।

1990 पहली महिला अमेरिकी सर्जन ने शपथ ली है। एंटोनिया नोवेलो पहली महिला अमेरिकी सर्जन जनरल बन गई हैं।

1991 5 वें अमेरिकी हास्य पुरस्कारों की घोषणा की गई है। डेनिस वोल्फबर्ग को सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता के रूप में चुना गया है।

1994 IRA ने 1994 में लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर 3 मोर्टार हमलों में से पहला लॉन्च किया।

1996 श्रीलंका के मशहूर क्रिकेटर जयसूर्या ने वर्ल्ड कप क्वार्टर-फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 44 गेंदों में 82 रन बनाए।

पंजाब के किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

ललित गर्ग

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी- यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है?

पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि 'आप' सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दर्शाता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई

पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि किसानों का सबसे बड़ी हितैषी मानने वाली सरकार आज किसानों की दुश्मन कैसे हो गयी? कृषिभूमि पंजाब को कैसे अशांत होने दिया जा रहा है?

आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दर्शायी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है। ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार एवं झूठे वायदों ने तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए, अन्यथा पंजाब की अशांति एवं अराजकता प्रांत को न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि सुशासन के मोर्चे पर धराशाही कर देगी।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुआ किसान आंदोलन अब उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। इस आन्दोलन से उपजे हालात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। जाम की बड़ी समस्या पर आम लोग कह रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण एवं हरित क्रांति वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की आक्रामकता के चलते अब अशांत नजर आ रहा है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। अपनी हार एवं नाकामयाबियों से बौखलायी आप सरकार अधिकारियों को निलंबित एवं तबादलें कर रही है, जिससे किसानों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों में भी गहरा असंतोष सामने आ रहा है, वे भी तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने के विकल्प चुनकर सरकार की समस्याओं को बढ़ा दिया है।

पंजाब में आप सरकार की चुनौतियां बढ़ती जा रही है। आम लोग अब बार-बार होने वाले प्रदर्शनों, धरनों और नाकेबंदियों से ऊब चुके हैं। आप शासन की खामियां ही उजागर हो रही हैं, अधूरे वादों, कानून-व्यवस्था या आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दों पंजाब की शांति को लील रहे हैं। भगवत मान छल और झूठ की राजनीति करते हुए अपने हर वादे से मुकर रहे हैं। दरअसल, केजरीवाल भ्रष्टाचार के विरोध में आन्दोलन के योद्धा के रूप में भारतीय राजनीति में चमके और दिल्ली के साथ पंजाब में उनकी सरकार बनी। दिल्ली में उनकी सत्ता जा चुकी है। पंजाब की स्थितियां उसके लिये खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी बनती जा रही हैं। भले ही मान सरकार अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हो, लेकिन वह अपने प्रदेश को, अपने पैरों की जमीन को एवं राजनीतिक मूल्यों को नहीं पहचान रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? आप के शीर्ष नेताओं के लिये पहले श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। कैसे आप की राजनीति एवं शासन-व्यवस्था इस शर्म के साथ जनता से मुखातिब होगी? कैसे पंजाब को समस्याओं से मुक्ति देगी? पंजाब के किसानों का उबाल दमन से नहीं, सार्थक संवाद से ही थमेगा।

भाषा युद्ध की तैयारी में लगा है तमिलनाडु?

प्रमोद भार्गव

जब किसी राजनेता के पास जनसमर्थन जुटाने का कोई जनकल्याणकारी मुद्दा नहीं रह जाता तो वह क्षेत्रीय मुद्दों को हवा देकर अपने पक्ष में माहौल बनाने के प्रयास में लग जाता है। आजकल ऐसा ही कुछ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के। स्टालिन के बयानों से परिलक्षित हो रहा है। स्टालिन ने कहा है, 'तमिलनाडु एक और भाषायी युद्ध के लिए तैयार है, क्योंकि यहां भाषायी युद्ध के बीज बोए जा रहे हैं और हम निश्चित रूप से इसके लिए तैयार हैं।' इसके बाद स्टालिन ने फिर हुंकार भरी कि 'हिंदी और संस्कृत के कारण 25 उत्तर भारतीय भाषाएं नष्ट हो गईं, अतएव हिंदी एक मुखौटा है और संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।' दरअसल स्टालिन केंद्र सरकार पर तमिलनाडु में त्रिभाषा नीति के अंतर्गत हिंदी थोपने का आरोप लगा रहे हैं। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके त्रिभाषा नीति का विरोध कर रही है जबकि हकीकत यह है कि स्वयं स्टालिन भाषा और सिंधु लिपि के मुद्दों को निहित राजनीतिक स्वार्थ के चलते गरमा रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने सिंधु लिपि की गूढ़ भाषा संरचना को ज्ञात कर लेने के अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए एक मिलियन अमेरिकी डॉलर (87 करोड़ रुपए) पुरस्कार स्वरूप देने की घोषणा की है। उनकी इस मंशा के पीछे द्रविड़ वैचारिक संस्कृति को उत्तर भारतीय फलक पर प्राचीनता के रूप में स्थापित करना है। उनकी इच्छा है कि यदि सिंधु लिपि की प्राचीनता संस्कृत के पूर्व की स्थापित हो जाए तो सिंधु लिपि के साथ-साथ तमिल भाषा की प्राचीनता भी स्थापित हो जाएगी। इस अवधारणा को भी बल मिलेगा कि उत्तर भारतीय आर्य ही दक्षिण के द्रविड़ हैं। लेकिन भाषाओं के विलोपीकरण के संदर्भ में उन्हें सोचने की जरूरत है कि हिंदी एवं संस्कृत नहीं बल्कि अंग्रेजी के बढ़ते वर्चस्व के चलते भारतीय भाषाएं लुप्त हो रही हैं। अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते भारत समेत दुनिया की अनेक मातृभाषाएं अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। भारत की स्थिति बेहद चिंताजनक है क्योंकि यहां की 196 भाषाएं विलुप्ति के कगार पर हैं। भारत के बाद अमेरिका की स्थिति चिंताजनक है, जहां की 192 भाषाएं दम तोड़ रही हैं। दुनिया में कुल 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 2500 भाषाएं विलुप्ति के कगार पर हैं। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषाओं की विश्व इकाई द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि बेलगाम अंग्रेजी इसी तरह से पैर पसारती रही तो एक दशक के भीतर करीब ढाई हजार भाषाएं पूरी तरह समाप्त हो जाएंगी। भारत और अमेरिका के बाद इंडोनेशिया की 147 भाषाओं को जानने वाले खत्म हो जाएंगे। दुनिया भर में 199 भाषाएं ऐसी हैं जिनके बोलने वालों की संख्या एक दर्जन लोगों से भी कम है। भाषाओं को संरक्षण देने की दृष्टि से ही 21 फरवरी को हर साल अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा की गई थी, लेकिन भाषाओं को बचाने के कोई सार्थक उपाय सामने नहीं आ पाए। जबकि अंग्रेजी सुरसा के मुख की तरह फैलती ही जा रही है। कोई भी भाषा जब मातृभाषा नहीं रह जाती तो उसके प्रयोग की अनिवार्यता में कमी और उससे मिलने वाले रोजगार मूलक कार्यों में भी कमी आने लगती है।

अकाली दल बादल और 'भर्ती कमेटी' के बीच टकराव चरम पर

इकबाल सिंह चन्नी

पिछले 3 महीने से अकाली दल बादल के नेताओं और अकाल तख्त द्वारा गठित 7 सदस्यीय भर्ती कमेटी के बीच अकाल तख्त साहिब के आदेशानुसार अकाली दल की नई भर्ती के मुद्दे पर चल रही खींचतान उस समय सीधे टकराव की स्थिति में आ गई जब पिछले मंगलवार को अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के आदेश के बाद 7 सदस्यीय कमेटी के 5 सदस्यों ने अकाल तख्त साहिब के सामने खड़े होकर अरदास करने के बाद 18 मार्च से नई भर्ती शुरू करने की घोषणा कर दी।

शिरोमणि अकाली दल की स्थापना 1920 में अकाल तख्त साहिब के नेतृत्व में हुई थी। उस समय अकाली दल का नाम किसी व्यक्ति के नाम के साथ नहीं जुड़ा था, लेकिन धीरे-धीरे अकाली दल के नेताओं की आपसी लड़ाई के कारण अकाली दल कई बार गुटों में बंट गया और जो नेता किसी बड़े गुट का अध्यक्ष होता था, उस नेता के नाम के साथ अकाली दल का नाम भी जुड़ जाता था। इसी तरह 25 साल पहले 1997 की अकाली सरकार के दौरान गुरचरण सिंह टोहड़ा और प्रकाश सिंह बादल के बीच मतभेद के कारण अकाली दल टूट गया था।गुरचरण सिंह टोहड़ा के नेतृत्व वाले गुट का नाम 'सर्ब हिंद अकाली दल' रखा गया, जबकि प्रकाश सिंह बादल के नेतृत्व वाले गुट को 'अकाली दल बादल' के नाम से जाना जाने लगा। अकाली कार्यकर्त्ताओं, आम सिखों और पंजाबियों ने अकाली दल बादल को भरपूर

प्रतिक्रिया दी और उसे कई बार सरकार बनाने का मौका दिया। लेकिन पिछले 2 दशकों से आम पंजाबी और खासकर सिख संगत अकाली दल बादल के कई फैसलों से नाखुश है। इसके अलावा अकाली दल के कई बड़े नेता भी अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल से नाराज हो गए और उन्होंने सुखबीर सिंह बादल और उनके साथियों के खिलाफ अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से शिकायत की।

अकाली नेताओं की शिकायत के बाद अकाली दल बादल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और उनके सहयोगी अपने लिए सुरक्षित माहौल बनाने की दिशा में आगे बढने लगे और इसी कड़ी के तहत सुखबीर सिंह बादल ने अध्यक्ष पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी। हालांकि, इससे पहले कि अकाली दल की वर्किंग कमेटी इस्तीफे पर कोई फैसला लेती, अकाल तख्त साहिब ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अकाली नेताओं पर धार्मिक और राजनीतिक वेतन लगा दी। अकाली दल बादल ने संवैधानिक रोक का हवाला देते हुए अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित भर्ती कमेटी की अनदेखी की और अपने हिसाब से भर्ती की। इस भर्ती प्रक्रिया से नाराज होकर भर्ती समिति के 5 सदस्यों ने भर्ती समिति की सदस्य बीबी सतवंत कौर के माध्यम से अकाल तख्त के जत्थेदार को रिपोर्ट भेजी कि अकाली दल बादल के नेता अकाल तख्त साहिब का समर्थन नहीं करते हैं और न ही आदेशों की पालना करते हैं।

जत्थेदार साहिब ने इसे गंभीरता से लेते हुए 5 सदस्यीय कमेटी को स्वयं भर्ती करने की मांग पर सहमति जताते हुए 5 सदस्यीय कमेटी को भर्ती करने की अनुमति दे दी। जैसा कि हमने पिछले लेख में लिखा था, अगर जत्थेदार भर्ती के लिए 5 सदस्यीय कमेटी को इजाजत दे दें तो अकाली दल के लिए कोई मुश्किल नहीं होगी। भर्ती समिति की घोषणा के बाद, अकाली दल ने भर्ती समिति के नेताओं के खिलाफ उग्र विरोध शुरू कर दिया है और सोशल मीडिया, विशेष रूप से 'अकाली आवाज' के माध्यम से वडाला, अयाली और झूंडा के खिलाफ एक अभियान शुरू किया गया है, जिसका उपयोग अकाली दल के प्रचार प्रसार के लिए किया जाता है। इन नेताओं के खिलाफ फोटो और अन्य सामग्री पोस्ट कर सवाल पूछे जा रहे हैं। वहीं 7 सदस्यीय नियुक्ति समिति पर अपनी जिम्मेदारियों का सही ढंग से निर्वहन नहीं करने का आरोप लगाया जा रहा है।

उधर, भर्ती समिति ने भर्ती के लिए रसीद बुक छापने की तैयारी शुरू कर दी है। भर्ती करने में आने वाली संवैधानिक मुश्किलों और शिरोमणि अकाली दल की ओर से शिरोमणि अकाली दल के नाम पर भर्ती को गैर-कानूनी बताने के कारण भर्ती कमेटी शिरोमणि अकाली दल के नाम पर भर्ती नहीं करेगी। इस कारण यह भर्ती शिरोमणि अकाली दलके स्थान पर 'अकाली दल के नाम' पर की जाएगी। अकाल तख्त के फैसले के मुताबिक यह भर्ती कमेटी आधार कार्ड नंबर और टैलीफोन नंबर लिखने की योजना बना रही है ताकि उनके द्वारा की गई भर्ती पर फर्जी होने का आरोप न लगे और अकाल तख्त के आदेशों का पूरी तरह से पालन हो सके। आज शिरोमणि कमेटी की अंतरिम कमेटी की ओर से जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह और जत्थेदार ज्ञानी सुल्तान सिंह को उनके पद से मुक्त करने के फैसले पर 5 सदस्यीय कमेटी, अकाली दल बादल तथा अन्य पंथक कहलाने वाले राजनीतिक और धार्मिक दल इसे किसी भी दृष्टि से देखें मगर इन हालातों के कारण सिख संगत निराशा के आलम में है और उम्मीद जता रही है कि पंजाब के हितों को देखते हुए दोनों दल यह टकराव जल्द ही खत्म कर देंगे।

जमीन बेचकर, कर्ज उठाकर विदेश क्यों जाएं

एस.के. मित्तल

भारत सरकार शुरू से ही विदेश जाने वालों के प्रति चिंतित, सजग तथा संबंधित रही है। 'इंडियन पासपोर्ट एक्ट' 1967 से लागू हुआ है। तभी से पासपोर्ट प्राप्त करना अपेक्षाकृत सरल हो गया है। उससे पहले पासपोर्ट प्राप्त करना काफी कठिन था। कुछेक लोगों को ही बड़ी मुश्किल से पासपोर्ट मिलता था। पासपोर्ट धारक को विदेश जाने के लिए 'प्रोटैक्टर ऑफ एमीग्रेन्टस' अर्थात अप्रवासियों को संरक्षक से अनुमति प्राप्त करके उसकी मोहर लगवानी पड़ती थी।

इस मोहर का उद्देश्य था पासपोर्ट धारक विदेश जाकर किसी प्रकार से परेशान तथा शोषित न हो तथा केवल सक्षम व्यक्ति ही विदेश जाएं। इस प्रावधान को सन् 2007 में बदलकर 'एमीग्रेशन चैक नॉट रिक्वायरड' पासपोर्ट पर अंकित करना शुरू हो गया। इसके लिए भी कुछ खास शर्तें हैं। इनका उद्देश्य भारतीयों को विदेश में संरक्षण देना, सुनिश्चित करना था परन्तु पासपोर्ट धारकों ने इस प्रक्रिया को मात्र एक औपचारिकता के रूप में लिया तथा उसका मूल उद्देश्य दरकिनार कर दिया। विदेश जाकर वहां बसने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं। कानूनी ढंग से बात करें तो पढ़ाई के लिए वीजा प्राप्त करके पढ़ाई पूरी करके अन्य औपचारिकताएं व कागजात पूरे करके विदेश में बसने की इजाजत लेना अमरीका सहित कई अन्य देश वहां बसे अप्रवासी भारतीयों के परिवारों के सदस्यों को वहां पहुंचाने की इजाजत देते हैं। इसे 'फैमिली पटीशन' कहा जाता है। इस प्रक्रिया में संबंध की निकटता के आधार पर कम या ज्यादा समय लग

सकता है।

विदेशी लड़के-लड़की के साथ शादी करके भी जाया जा सकता है। विदेश घूमने के लिए भी वीजा का प्रावधान है। अमरीका जाकर बसने, वहां का स्थायी निवासी बनने तथा 'ग्रीन कार्ड' प्राप्त करने के लिए एक 'इन्वैस्टमैंट वीजा ई-बी 5' का भी प्रावधान सन 1990 से चला आ रहा है। इसके लिए 8 लाख अमरीकन डालर का निवेश करना होता था। उस समय अमरीकन डालर की कीमत भारतीय रुपए के मुकाबले 17 रु. थी। अब अमरीका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे बदलकर नया रूप 'गोल्ड कार्ड' दे दिया है। इसके लिए 50 लाख अर्थात 44 करोड़ रुपए का निवेश करना जरूरी हो गया है। इसमें पति-पत्नी सहित 21 वर्ष से कम बच्चों को भी स्थायी तौर पर रहने की अनुमति है। कुछ लोग विदेश में बसने के लिए 'विजिटर वीजा' प्राप्त करने के पश्चात वहां जाकर वापस नहीं आते किसी प्रकार वकील आदि का सहारा लेकर वर्क परमिट बनवाकर या वहां के निवासी से शादी करके मामले को लम्बी प्रक्रिया में डाल देते हैं।

अनपढ़ व्यक्ति भी पैसे के सहारे किसी लड़की को 'आईलैट्स' के 'स्कोर' के सहारे विदेश की 'पी.आर.' (स्थायी निवासी) लेकर वहां भेज देते हैं, यह सोचकर कि वहां जाकर वह लड़के को बुला लेगी परन्तु इसमें से अधिकतर लड़कियां, विदेश की चकाचौंध, स्वतंत्रता या फिर किसी विवशता के कारण, अपने सभी वायदों व उसूलों को ताक पर रखते हुए लड़के के साथ धोखा करती है तथा उसे भूल जाती है। विदेश में किसी अन्य के साथ घर बसा लेती है तथा भारत में बैठा लड़का ठगा-सा महसूस करता है। मारे शर्म के अपना मुंह भी नहीं खोलता। ऐसा अक्सर हो रहा है।गैर-कानूनी ढंग से विदेश जाने की प्रक्रिया में 'डंकी रूट' भी आता है। ऐसा करना, 'सिर हथेली पर रख कर चलने' के समान होता है। ऐसा वह लोग करते हैं जिनके सिर पर विदेश जाने का भूत सवार होता है तथा जिन्हें अपनी जान की परवाह नहीं होती।

एजैंटों द्वारा गुमराह किए गए व सब्जबाग दिखाए गए यह युवक 'जिंदगी गंवाने वाले जोखिम भरे हालातों से जूझने को विवश हो जाते हैं।'

इस प्रक्रिया में विदेश जाने वाले अपनी मां-रूपी जमीन के एकड़ (किल्ले) बेच देते हैं, उच्च ब्याज दर पर कर्ज उठाते हैं। मकान, जायदाद, जमीन, गहने या तो गिरवी रखते हैं या बेच ही देते हैं। ऐसा कल के उज्ज्वल भविष्य के दृष्टिगत किया जाता है परन्तु वह भूल जाते हैं कि विदेश जाकर हर प्रकार की तंगी काटकर अपनों से दूर रहकर 5-7 सालों बाद जो थोड़ा-बहुत पैसा वह जमा करके लाते हैं, उससे रुपए के अवमूल्यन, मुद्रास्फीति तथा महंगाई के दृष्टिगत इतना कुछ भी नहीं बन पाएगा जितना वह बेचकर विदेश गए थे। जमीन के किल्ले (एकड़) बेचने वाले पशुओं के कीले (खूंटे) गढने में भी असमर्थ हो जाएंगे। अपनों को प्रौढ़ या बूढ़ा हो चुका पाएंगे या फिर भगवान को प्यारे हो चुके।

स्वदेश व विदेश का अंतर हमें इस बात से समय लेना चाहिए कि हाल ही में अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गैर-कानूनी अवैध अप्रवासियों के विरुद्ध एक अभियान छेड़ रखा है तथा उन्हें निर्वासित कर रहे हैं। भारत में भी ऐसे लोग वापस भेजे जा रहे हैं जो अमरीका में गैर-कानूनी ढंग से रह रहे हैं तथा जिनके पास वैध कागजात नहीं हैं। कोई भी देश, भारत भी, गैर-कानूनी ढंग से रह रहे विदेशियों को घुसपैठिया, जासूस या अपराधी के रूप में देखता है तथा यथासंभव उनको उनके देश वापस भेजने का प्रयास करता है। ऐसा अनेकों वर्षों से होता आया है। ट्रम्प भी यही कुछ कर रहे हैं। अब तक चार जहाज भरकर, भारतीय डिपोर्ट किए गए हैं। परन्तु ऐसा करते हुए अपनाए गए ढंग अमानवीय हैं तथा निंदनीय हैं। अपने को मानवाधिकारों का संरक्षक कहने वाला अमरीका खुद मानवाधिकारों का हनन कर रहा है।

सिर्फ जादुई चिराग न बनें सौगातें

शोभना जैन

पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से 'बढ़ती आधी आबादी' ने चुनाव में वोट डालने पर अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू की है, विभिन्न राजनैतिक दलों को उनमें चुनाव जितवाने की अपार संभावनाएं दिखनी शुरू हुई, उन्होंने उन पर बेहतर जिंदगी के लुभावन चुनावी वादों के साथ-साथ नगदी, सब्सिडी जैसी सौगातों की बरसात शुरू कर दी और इन चुनाव नतीजों ने यह साबित भी कर दिया कि उनकी रणनीति कमोबेश सफल भी रही। हाल के महीनों में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और दिल्ली में हुए चुनावों ने इस जादुई चिराग का जम कर इस्तेमाल हुआ।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन ने जहां अपने मौजूदा कार्यकाल में ही उन्हें आर्थिक मदद देना भी शुरू कर दिया और बाकी आर्थिक लाभ, सब्सिडी सत्ता में दोबारा आने पर देने का वादा कर डाला और विपक्ष ने भी सत्ता में आने पर तरकश के यही तीर आजमाने का वादा किया। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने तो 2019 में ही सत्तारूढ़ होते ही महिलाओं के लिये बस यात्रा जैसी सुविधाएं शुरू कर दी लेकिन हाल के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनका पासा पलट गया और विपक्षी दल भाजपा ने महिलाओं के लिए उनसे ज्यादा बेहतर लुभावनी योजनाओं की घोषणा कर डाली, अलबत्ता दिल्ली चुनाव में उनकी जीत के लिये कुछ और फेक्टर भी हावी रहे। दिल्ली विधानसभा के हाल के चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों 60.21 के मुकाबले 60.92 हालांकि यहा सत्तारूढ़ 'आप पार्टी' को 'भारतीय जन तापार्टी' के हाथों हार झेलनी पड़ी।

बहरहाल सवाल है कि क्या जिस तरह से महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है, और वे खुलकर खासतौर से देहात, कस्बों की महिलाएं घर की चारदीवारी से निकलकर खुलकर मताधिकार का इस्तेमाल कर रही हैं, महिलाओं में बढ़ती साक्षरता, जागरूकता और स्वतंत्र निर्णय लेने की बढ़ती क्षमता को जहां राजनैतिक दलों के लिये महिला मतदाता को इस तरह का लाभ दिए जाने का वादा कर चुनाव में जीत की गारंटी मान लिया, लेकिन क्या इस तरह की रणनीति उन्हें सही मायने में अधिकार संगत बना रही है, क्या इसी अनुपात में राजनीतिक दल उन्हें चुनाव लड़ने के लिये टिकट भी दे रहे हैं, क्या इससे चुनावी राजनीति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का सवाल कमजोर नहीं हो जाएगा क्या राजनैतिक दल सिर्फ इस तरह की फौरी आर्थिक मदद कर उनकी दीर्घकालिक प्रगति, कल्याण मे सहायक हो सकेंगे। लेकिन इससे जुड़ा एक अहम सवाल यह भी है कि सुविधाहीन वर्ग और मध्य वर्ग की महिलाएं जहां तिल-तिलकर अपनी गृहस्थी खींच रही हैं उनके लिए इनसे फौरी मदद एक सहारा तो है लेकिन भविष्य की अनिश्चितता इस क्षणिक खुशी पर जल्द ही हावी हो जाती है। अलबत्ता दिल्ली विधानसभा चुनाव में अनेक युवा और शिक्षित महिलाओं की भी राय थी कि राजनैतिक दलों को सही मायने में महिलाओं के मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए। अगर आंकड़ों की बात करें, जिससे राजनैतिक दलों को इस रणनीति को आगे बढ़ाने में बहुत हौसला मिला तो पाएंगे कि 2019 की तुलना में 2024 के आम चुनाव में एक करोड़ अस्सी लाख अतिरिक्त महिलाओं की भागीदारी रही। 2014 के बाद से 58 प्रतिशत महिलाओं में 9 करोड़ 20 लाख नये मतदाता दर्ज किए गए। हालांकि फिलहाल 100 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले महिला मतदाता 95 हैं लेकिन ये संख्या लगातार बढ़ रही है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि 2014 के बाद से जहां मतदाताओं की संख्या 83.4 करोड़ थी, वहीं 2024 में यह 97.8 करोड़ हो गई महिलाओं में बढ़ती साक्षरता, जागरूकता, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और इन सबके साथ सबसे अहम महिलाओं को ध्यान में रखकर बनी मुद्रा, उज्ज्वला, प्रधानमंत्री आवास योजना, लाड़ली बहिना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं की भूमिका महिला मतदाताओं को अपनी और खींचने में रही।

हालांकि चिंता की बात है कि महाराष्ट्र सरकार चुनाव जीतने के बाद इस योजना के क्रियान्वन को लेकर जिस तरह की हील-हुज्जत दिखा रही है, वह सब राजनैतिक दलों पर ऐसी योजनाओं की विश्वसनीयता को लेकर सवालों के घेरे में खड़ा कर देता है। हालांकि भारत के चुनाव में महिला मतदाता सहित मतदान करने वालों की 66 प्रतिशत संख्या अच्छी मानी जाती है लेकिन सवाल फिर वही लौटकर कि महिला मतदाताओं की बढ़ी हुई संख्या के बावजूद सक्रिय चुनावी राजनीति में एक तिहाई की हिस्सेदारी के लिए उन का संघर्ष लगातार जारी है, महिला सांसदों की संख्या जहां 13.6 प्रतिशत ही है। ऐसे में जरूरी है कि राजनैतिक दल। महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाने के बारे में सही मायने में काम करे ताकि महिला मतदाताओं के वोट जुटाने की उनकी रणनीति जीत का गारंटीशुदा फार्मूला या जीत का जादुई चिराग बनकर न रह जाए बल्कि उनके दीर्घकालिक कल्याण और अधिकारसंपन्न बनाए जाने का माध्यम बन सके, तभी देश भी विकसित राष्ट्र बन सकेगा।

अल्लू अर्जुन ने किया सलमान खान को रिप्लेस

बॉलीवुड के भाईजान से मशहूर अभिनेता सलमान खान को बहुत बड़ा झटका लगा है। निर्देशक एटली उनकी जगह अब अल्लू अर्जुन को करेंगे कास्ट, इस फिल्म में एक नहीं बल्कि तीन-तीन अभिनेत्रियां आएंगी नजर।

600 करोड़ होगा बजट

रिपोर्ट के मुताबिक निर्देशक एटली कुमार की आने वाली फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान नहीं नजर आएंगे। एक्टर सलमान की जगह 'पुष्पा' फेम एक्टर अल्लू अर्जुन अब इस फिल्म में होंगे कास्ट। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार निर्देशक एटली पहले सलमान खान के साथ पुनर्जन्म थीम पर आधारित 600 करोड़ रुपये बजट की एक्शन फिल्म लेकर आने वाले थे। अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है।

सलमान की फिल्मों ने डाला गहरा प्रभाव

रिपोर्ट के अनुसार अभिनेता सलमान खान की पिछली फिल्मों के प्रदर्शन के कारण एटली ने उन्हें इतनी बड़ी फिल्म में ना कास्ट करने का फैसला किया है। मल्टीस्टारर वाली इस फिल्म में सन पिक्चर्स इसे फंडिंग करने का मन बना रहा है। पहले निर्देशक सलमान खान और रजनीकांत के साथ इस फिल्म को बनाना चाहते थे। अब इसकी योजना बदलते हुए एटली न अल्लू अर्जुन को कास्ट कर लिया है और दूसरे अभिनेता की खोज में हैं।

एक-दो नहीं बल्कि तीन अभिनेत्रियां आएंगी नजर

निर्देशक एटली कुमार की आगामी एक्शन फिल्म में तीन अभिनेत्रियां नजर आने वाली हैं। इसमें जान्हवी कपूर का नाम बतौर मुख्य भूमिका में सबसे आगे है। इस बड़े बजट फिल्म की शूटिंग साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। अभी इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

इंटर रिलीजन मैरिज के बाद प्रियामणि हुई थीं ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार?

साउथ अभिनेत्री प्रियामणि ने 2017 में फिल्म मेकर मुस्तफा राज से शादी की थी। उनके लिए यह मौका जश्न मनाने का था, लेकिन उनकी इंटर रिलीजन मैरिज ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हो गई। हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रियामणि ने खुलासा किया कि सोशल मीडिया पर लव जिहाद के नाम पर मजाक ने उन्हें कितना परेशान किया।

शादी के बाद प्रियामणि को हुई काफी मुश्किलें

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू में प्रियामणि ने कहा, जब मैंने अपनी सगाई की अनाउंसमेंट की तो मैं बस इस खुशी के पल को उन लोगों के साथ शेयर करना चाहती थी। लेकिन मुझे नहीं पता कि किस वजह से बेवजह नफरत फैलनी शुरू हो गई और लव जिहाद के आरोप लगने लगे।

कभी नहीं दिया ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब

प्रियामणि ने आगे कहा, मैं समझती हूं कि मैं मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हूं। लेकिन आप किसी ऐसे व्यक्ति पर हमला क्यों करना चाहते हैं, जो इन चीजों का हिस्सा ही नहीं है? शुरुआत के 2 से 3 दिनों तक यह मुझ पर भारी पड़ा क्योंकि मुझे बहुत सारे संदेश मिलते रहे। अब भी, अगर मैं उनके साथ कुछ पोस्ट करती हूं, तो दस में से नौ कमेंट हमारे धर्म या जाति के बारे में होते हैं। हालांकि, प्रियामणि ने बताया कि उन्होंने कभी भी ऑनलाइन ट्रोल्स का जवाब नहीं दिया, क्योंकि वह उन्हें एक मिनट की प्रसिद्धि नहीं देना चाहती थीं। काम की बात करें तो प्रियामणि को हाल ही में मलयालम थ्रिलर ऑफिसर ऑन ड्यूटी में देखा गया था, जो इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई थी। पिछले साल, वह हिंदी फिल्मों मैदान और आर्टिकल 370 में भी नजर आई थीं। वह अगली बार जन नायकन में नजर आएंगी।

क्या एक-दूजे को डेट कर रहे हैं कार्तिक-श्रीलीला?

पुष्पा 2 में किसिक गाने में अपनी डांसिंग स्किल्स से सभी का दिल जीत चुकी श्रीलीला ने हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की फैमिली पार्टी में शिरकत की और वहां जमकर डांस भी किया। अब श्रीलीला का यह डांस वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। साउथ अभिनेत्री श्रीलीला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह जमकर डांस करती नजर आ रही हैं और साथ ही वहीं पर मौजूद कार्तिक उनका वीडियो बनाते नजर आ रहे हैं। दरअसल, यह वीडियो कार्तिक की फैमिली पार्टी का है, जिसमें दोनों के चेहरे पर एक-दूसरे की प्रजेंस की खुशी साफ झलक रही है। श्रीलीला का खुशी से नाचते हुए यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिससे इन दोनों की डेटिंग की अफवाहों को हवा मिल रही है। कथित तौर पर यह पार्टी कार्तिक की बहन से संबंधित एक जश्न था।

मस्त कलंदर गाने पर किया डांस

रेडिट के शेयर किए हुए इस वीडियो में श्रीलीला ने मस्त कलंदर गाने पर डांस किया। इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि श्रीलीला पार्टी में मौजूद बाकी सभी लोगों के साथ डांस कर रही हैं। वहीं पीछे कार्तिक आर्यन की हंसी साफ सुनाई दे रही है। दरअसल, यह पार्टी कार्तीक की बहन कृतिका तिवारी के लिए थी, जिन्होंने हाल ही में अपनी मेडिकल डिग्री हासिल की है और अब वह एक डॉक्टर बन गई हैं। साउथ अभिनेत्री श्रीलीला और कार्तिक आर्यन एक साथ एक अनाम फिल्म में नजर आने वाली हैं। वैसे यह आगामी फिल्म श्रीलीला की बॉलीवुड डेब्यू होगी। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित इस फिल्म का टीजर पिछले महीने रिलीज किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग चल रही है।

नेपोटिज्म पर पहली बार बिग बी ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। बिग बी अक्सर ही अभिषेक के काम और उनकी एक्टिंग स्किल की तारीफ करते रहते हैं। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाले बिग बी ने अब सोशल साइट एक्स पर एक यूजर की पोस्ट पर कमेंट किया और अभिषेक को नेपोटिज्म को लेकर फैली नकारात्मकता का शिकार बताया है। दरअसल, एक्स पर एक पोस्ट में एक यूजर ने लिखा, अभिषेक बच्चन बेवजह परिवारवाद की नकारात्मकता का शिकार हुए हैं, जबकि उनके करियर में अच्छी फिल्मों की संख्या काफी ज्यादा है। इसी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बिग बी ने लिखा, मुझे भी ऐसा ही लगता है और सिर्फ इसलिए नहीं, क्योंकि मैं उनका पिता हूं। एक और पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए महानायक ने अभिषेक बच्चन की आने वाली फिल्म 'बी हैप्पी' में उनके काम की तारीफ की है। बिग बी ने लिखा, अभिषेक आप कमाल हैं। आप हर फिल्म के किरदार के साथ जिस तरह से तालमेल बिठाते हैं और किरदार में बदलाव लाते हैं, वो शानदार है।

फिल्म आई वांट टू टॉक के लिए भी की थी बेटे की सराहना

इससे पहले अमिताभ ने अभिषेक की फिल्म आई वांट टू टॉक में भी उनके काम की तारीफ की थी। उस दौरान बिग बी ने फिल्म को लेकर एक नोट में लिखा था, कुछ फिल्में आपका मनोरंजन करती हैं, कुछ फिल्में आपको उससे जुड़ने के लिए आमंत्रित करती हैं, आई वांट टू टॉक बस यही करती है। अभिषेक, आप अभिषेक नहीं हैं, आप फिल्म के अर्जुन सेन हैं। लोग जो कुछ भी कह रहे हैं, वो कहने दो। अभिषेक की आगामी फिल्म 'बी हैप्पी' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। डांस पर आधारित ये फिल्म कॉमेडी, ड्रामा, सपने और जुनून के भावों से भरपूर है। फिल्म एक अकेले पिता और बेटी के बीच प्यार, ख्याल और भावुक रिश्ते को दर्शाती है।

यामी गौतम ने बताया, क्यों नहीं की बड़े बजट की फिल्म

अभिनेत्री यामी गौतम ने कई मुद्दों पर खुलकर बात की। इस दौरान बताया कि उन्होंने बड़े बजट की फिल्मों को ना करने का फैसला क्यों लिया और ऐसी फिल्में क्यों ठुकरा दिया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने हमेशा कंटेंट-ड्रिवेन सिनेमा को प्राथमिकता दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किसी बड़ी फिल्म को अच्छी स्क्रिप्ट की कमी के कारण ठुकराया है, तो यामी ने कहा, हां। हालांकि, उन्होंने उस प्रोजेक्ट का नाम नहीं बताया, जिसे उन्होंने ठुकराया था। अपने निर्णय पर विचार करते हुए यामी ने बताया, हर निर्णय सोच-समझकर लिया जाता है। व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों ही तरह से मैं उन प्रोजेक्ट पर समय बिताने के लिए आभारी हूं जो वास्तव में मेरे साथ जुड़ते हैं, मैं कहानी के साथ जुड़ती हूं। अभिनेत्री ने अपने दर्शकों से मिले सम्मान और प्रशंसा के लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि दर्शक इसका सम्मान करते हैं और वे फिल्म के पैमाने के बजाय मेरे काम के लिए मेरी सराहना करते हैं। यामी गौतम ने यह भी बताया कि वह कैसी स्क्रिप्ट पसंद करती हैं।

आदर्श गौरव ने मुंबई में अपने संघर्ष के दिनों को याद किया

संघर्ष का दौर यकीनन कलाकार को निखारता है। दूसरे कई फिल्मी सितारों की तरह माय नेम इज खान, मॉम, द वाइट टाइगर, खो गए हम कहां में काम कर चुके एक्टर आदर्श गौरव को संघर्ष करना पड़ा।

अपनी ताजातरीन फिल्म सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव में नासिर शेख जैसे वास्तविक किरदार से लोगों का दिल जीतने वाले आदर्श यहां अपने संघर्ष के दिनों को याद करते है। गौरव का कहना है कि उनका जो सबसे बड़ा संघर्ष था, वो उनकी ताकत बन गया। वे कहते हैं, हम जब मुंबई आए, तो पापा के क्वार्टर के भरोसे आए। मेरे पापा सेंट्रल बैंक में काम करते थे। उन्हें बैंक की तरफ से वो क्वार्टर मिला हुआ था। उस वक्त मैं तेरह साल का रहा होऊंगा, मगर फिर दो साल में हमें वो घर खाली करना पड़ा, क्योंकि पापा का ट्रांसफर छत्तीसगढ़ हो गया। वो घर जुहू में था, तो पहले दो साल हम लोग जुहू जैसे पॉश इलाके में रहे, मगर जब इसे खाली करना पड़ा, तब हमारे पास जुहू में किराए का घर लेने के पैसे नहीं थे। हमने घर की तलाश शुरू की। हम लोगों ने घर खोजना शुरू किया और अंधेरी, जोगेश्वरी, बोरीवली से होते-होते फाइनली हमें घर मिला दहिसर के रावल पाड़ा में। उस घर का किराया 13-14 हजार था, जिसे मेरे पैरेंट्स अफोर्ड कर सकते थे। उसके बाद ये होने लगा कि हर साल डेढ़ साल में मेरा घर बदल जाता था।

कील ठोकने के लिए भी मकान मालिक की परमिशन लेनी पड़ती थी

सच कहूं, तो वो घर का कॉन्सेप्ट मेरे लिए खत्म हो चुका था। अभी हम एक जगह से शिफ्ट होकर दूसरी जगह पर सेटल हो भी नहीं पाते थे कि हमें वहां से सेटल होना पड़ा, तो एक तरह से हम लोग बंजारों की तरह जी रह थे। अभी हमारी जड़ें किसी जगह पर जम रही होती थीं कि हमें उखाड़कर एक और नई जगह पर जाना पड़ता था। उसके पीछे भी पैसे बड़ा कारण थे। साल भर में उस जगह का रेंट बढ़ जाता था, जो हमारी हैसियत से ज्यादा होता था और फिर हमें घर बदलना पड़ता था। घर को लेकर जो सेफ्टी और सुरक्षा होती है, वो मैंने उन सालों में कभी महसूस ही नहीं की। किराए के घर में रहने पर रेंट का स्ट्रेस तो रहता ही था, मगर फिर एक कील तक ठोकने के लिए मकान मालिक की परमिशन लेनी पड़ती थी। दहिसर शिफ्ट होने के बाद मैं स्कूल के दोस्तों से भी कट गया था, क्योंकि वे सभी इस तरफ का प्लान बनाते थे और उन्हें लगता था कि मैं तो इतनी दूर से आ ही नहीं पाऊंगा। मेरा स्कूल लीलावती पोद्दार खार में था और मेरा कॉलेज (नरसी मोनजी) जुहू में था। सालों तक मैं बसों और ट्रेन से सफर करके जुहू अपने स्कूल आया हूं। वो वाकई मेरे लिए काफी संघर्ष भरा रहा।

बस और ट्रेन का संघर्ष अभिनय में काम आया

माय नेम इज खान, मॉम, द वाइट टाइगर, खो गए हम कहां जैसी कई फिल्मों और गन्स और गुलाब्स जैसी वेब सीरीज में नजर आ चुके गौरव को बचपन में पता ही नहीं था कि वे अभिनय कर करना चाहते हैं। वे कहते हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अभिनय के क्षेत्र में आऊंगा, मगर मुझे लोगों और उनकी बातों में काफी रुचि थी। मैं अक्सर उनकी बातें सुना करता था। अलग-अलग जगहों में रहने और बस-ट्रेनों से सफर करने के दौरान मुझे विभिन्न लोगों से मिलने का मौका मिला। उन बातों और किरदारों को मैंने अपने भीतर जज्ब कर लिया है। यही वजह है कि जब मुझे अलग-अलग किरदार करने के ऑडिशन का प्रस्ताव मिलता है, तो चाहे वो जुहू गली का टपोरी लड़का हो या बांदरा का पॉश युवा, मैं हर तरह के रोल कर पाता हूं। संघर्ष का वो दौर आज मेरे ऑडिशन में काम आता है, मेरे द्वारा अभिनीत किरदारों को निभाने में मददगार साबित होता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

दिल्ली के लिए 2500 रुपये वाली योजना को कैबिनेट की मंजूरी

नईदिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला दिवस कार्यक्रम के दौरान एक सभा को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा मौजूद रहे। इस दौरान रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास सुनिश्चित करने के अपने सभी वादों को पूरा करेगी। हमने स्वास्थ्य, शिक्षा और हमारी नीतियों के मामले में दिल्ली को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने महिला सुरक्षा बढ़ाने के हर संभव पहलू पर चर्चा की। महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए वन स्टॉप सेंटर स्थापित किया जाएगा। प्रस्तावित महिला समृद्धि योजना के संबंध में दिल्ली मंत्रिमंडल की बैठक 8 मार्च को हुई, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाली महिलाओं को 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी भी मिल गई है।

महिला समृद्धि योजना को लेकर दीक्षित ने पूछे सवाल

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने शनिवार को दिल्ली में महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह प्रदान करने की भाजपा की वित्तीय सहायता योजना के कार्यान्वयन पर सवाल उठाया और कहा कि इस योजना से राष्ट्रीय राजधानी के बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगर वे अपना वादा पूरा करते हैं तो हम उसका स्वागत करेंगे। लेकिन, एक ही सवाल है कि इसके लिए पैसे कहां से आएंगे? भाजपा ने कहा था कि 18 साल से ऊपर की हर महिला को यह सम्मान दिया जाएगा। अगर चुनाव आयोग के आंकड़ों पर गौर करें तो दिल्ली में करीब 72 लाख महिला मतदाता हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि इस पर कुल खर्च करीब 21,600 करोड़ रुपये आता है। अब जब पूरा विकास बजट 37,000 करोड़ रुपये है, जिसमें अस्पताल, स्कूल और सब्सिडी शामिल हैं, तो आप बजट का करीब 60 फीसदी हिस्सा सिर्फ एक योजना के लिए कैसे आवंटित कर सकते हैं?

गृहमंत्री के निर्देश के बाद एक्शन में दिल्ली पुलिस

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस राजधानी के अलग-अलग इलाकों में रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान चला रही है। शनिवार को दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के वसंत कुंज स्थित जय हिंदी कैंप में अवैध प्रवासियों के खिलाफ सत्यापन अभियान चलाया। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने काली बाड़ी मार्ग के पास जेजे कॉलोनी इलाके में सत्यापन अभियान चलाया था। संगम विहार और मंदिर मार्ग में भी इस तरीके का अभियान चलाया जा चुका है। सब-इंस्पेक्टर रवि मलिक ने बताया कि हम उनके सत्यापन के लिए उनके सभी पहचान-पत्र मांगते हैं। अगर हमें कोई संदिग्ध लगता है, तो उसके पहचान-पत्र सत्यापन के लिए उसके संबंधित जिलों में भेज दिए जाते हैं। अगर हमें कोई अवैध रूप से यहां रहता हुआ मिलता है, तो उसे निर्वासित कर दिया जाता है। उसके सभी विवरणों का सत्यापन किया जाता है।

ट्रंप के टैरिफ वाले बयान पर कांग्रेस का हल्ला बोल

नईदिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत टैरिफ कम करने पर सहमत हो गया है। उन्होंने इस कथित सौदे पर चिंता व्यक्त की। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की वाशिंगटन यात्रा का उल्लेख करते हुए रमेश ने सवाल किया कि क्या सरकार भारतीय किसानों और निर्माताओं के हितों से समझौता कर रही है। रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिकियों के साथ व्यापार पर बात करने के लिए वाशिंगटन डीसी में हैं। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह कहा। मोदी सरकार ने किस बात पर सहमति जताई है? क्या भारतीय किसानों और भारतीय विनिर्माण के हितों से समझौता किया जा रहा है? 10 मार्च को जब संसद फिर से शुरू होगी, तो प्रधानमंत्री को संसद को विश्वास में लेना चाहिए। इसके अलावा, कांग्रेस ने अमेरिका पर टैरिफ कटौती करने के इस कथित सौदे और डोनाल्ड ट्रम्प की टिप्पणियों को लेकर भारत सरकार की आलोचना की और इसे भारत का अपमान बताया।

शरद पवार की पार्टी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) की महिला शाखा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अजीबोगरीब मांग कर दी है। महिला शाखा ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मद्देनजर एक हत्या के लिए सजा से छूट देने का आग्रह किया है। शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी की महिला विंग की अध्यक्ष रोहिणी खडसे ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लिखे पत्र में कहा कि महिलाएं दमनकारी मानसिकता, बलात्कारी मानसिकता और निष्क्रिय कानून व्यवस्था की प्रवृत्ति को खत्म करना चाहती हैं। खडसे ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। उन्होंने हाल ही में मुंबई में 12 वर्षीय लड़की के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना का जिक्र किया। खडसे ने पत्र में कहा, हम सभी महिलाओं की ओर से एक हत्या करने पर (दंड से) छूट की मांग कर रहे हैं। इस पत्र का उद्देश्य राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधना है।

गुजरात में बोले प्रधानमंत्री- महिलाओं का आशीर्वाद मेरा कवच, मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति

नारी सम्मान, विकसित भारत की पहली सीढ़ी : मोदी

नवसारी (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नवसारी में लखपति दीदियों से संवाद किया। पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वानसी बोरसी गांव में 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को 450 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की। संवाद के बाद पीएम मोदी ने रोड शो भी किया। नवसारी में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद है, मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। माताओं-बहनों का आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत है, मेरी पूंजी है और मेरा सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। नारी का सम्मान विकसित भारत की पहली सीढ़ी है।

तीन तलाक और अनुच्छेद 370 पर बोले पीएम

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने कहा मुस्लिम महिलाओं की मांग थी कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो मुस्लिम महिला (शादी में सुरक्षा का अधिकार) कानून, 2019 के तहत उनकी जिंदगी को बर्बाद होने से बचाया गया। जब कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था तो वहां महिलाओं को कई अधिकारों से वंचित रखा गया था। अगर वे राज्य से बाहर शादी करतीं तो उन्हें संपत्ति में अधिकार नहीं मिलता था। अनुच्छेद 370 हटने के बाद अब उन्हें भी देश की अन्य महिलाओं की तरह समान अधिकार हैं।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को शौचालय (इज्जत घर) देकर हमने उन्हें सम्मान दिया। महिलाओं के बैंक खाते खोलकर उनका सशक्तिकरण किया गया। उज्जवल योजना से उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया गया। पहले महिलाओं को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश मिलता था, लेकिन हमने उसे बढ़ाकर 26 हफ्ते किया।

पीएम मोदी ने कहा कि हम सबको ये देखकर गर्व होता है कि आज दुनिया में सबसे बड़ी संख्या में महिला

पायलट, हमारे भारत में हैं। ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का ही उदाहरण है। राजनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या फिर पुलिस, देश के हर सेक्टर में, हर आयाम में महिलाओं का परचम लहरा रहा है। 2014 के बाद से अब तक करीब 3 करोड़ महिलाएं घर की मालकिन बन चुकी हैं। आज पूरी दुनिया में जल जीवन मिशन की भी बड़ी चर्चा है। जल जीवन मिशन के जरिए आज देश के गांव-गांव में पानी पहुंच रहा है। गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है। आज मैं उसमें एक पंक्ति और जोड़ता हूं कि ग्रामीण भारत की आत्मा ग्रामीण नारी के सशक्तिकरण में बसती है।

सुरक्षा की कमान महिला पुलिस अधिकारी के हाथों में

नवसारी के वानसी-बोरसी में हुए कार्यक्रम में सभी व्यवस्थाएं महिला पुलिस कर्मी व कर्मचारियों के हवाले रहीं। कुल 2,165 कांस्टेबल, 187 इंस्पेक्टर, 61 सब-इंस्पेक्टर, 19 डीएसपी, पांच डीएसपी, एक पुलिस महानिरीक्षक और एक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रैंक की अधिकारियों ने पीएम मोदी के पूरे कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभाली। सरकारी सूत्रों के मुताबिक यह कार्यक्रम पुलिसिंग के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर है, क्योंकि कानून और व्यवस्था के सभी पहलुओं के साथ-साथ कार्यक्रम की व्यवस्था महिला पुलिस अधिकारी के हाथों में रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश की नारीशक्ति, हर आशंका को परास्त करके, हर संदेह को पीछे छोड़कर आगे बढ़ रही है। बीते दशक में हमने महिला सुरक्षा को बहुत बड़ी प्राथमिकता दी है। उनके खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने के लिए नियम-कानूनों को हमने और सख्त बनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार के मुखिया के रूप में, सेवक के रूप में आप सबको विश्वास दिलाता हूं कि आपके सपनों के रास्ते में कोई बाधा नहीं रहने दूंगा। एक बेटा जिस भाव से मां की सेवा करता है, उसी भाव से मैं भारत मां और मेरी माताओं-बहनों की सेवा कर रहा हूं।

पीएम मोदी ने इससे पहले गुजरात को 2,587 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात भी दी। शुक्रवार को पीएम ने सिलवासा में 450 बिस्तरों वाले नमो अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने सायली स्टेडियम से 62 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया।

प्रधानमंत्री ने महिला दिवस पर नारी शक्ति को सौंपी ये कमान

देश और दुनिया भर में आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। महिला दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि हम अपनी नारी शक्ति को नमन करते है। हमारी सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने क लिए काम किया है। हमारी योजनाओं और कार्यक्रमों में दिखता है। आज, जैसा कि वादा किया गया था मेरी सोशल मीडिया प्रॉपर्टी उन महिलाओं द्वारा संभाली जाएगी जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। भारत आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति का जश्न मना रहा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट को विभिन्न क्षेत्रों में सफल महिलाएं संभालेंगी। यह एक अनोखा कदम है जो महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए उठाया गया है। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा हो रहा है, इससे पहले 2020 में भी सात महिलाओं ने प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया अकाउंट को संभाला था। पीएम मोदी ने कहा कि जैसा कि वादा किया था कि मेरी सोशल मीडिया अकाउंट को महिलाएं संभालेंगी जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने मे जुटी हुई है।

राहुल गांधी ने पार्टी को दिखाया आईना

कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं कई बब्बर शेर, लेकिन बंधे हुए

अहमदाबाद। राहुल गांधी ने आज अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों लगे पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित किया। राहुल ने कई चौंकाने वाली टिप्पणियां कीं और अपनी ही पार्टी को आईना दिखाया। राहुल गांधी ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी को 20-30 लोगों को निकालना भी पड़े तो इसमें किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहि। कांग्रेस सांसद राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कई बब्बर शेर हैं। लेकिन पार्टी में दो गुट हैं। एक जनता के साथ है, जबकि दूसरा जनता से दूर है।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए राहुल ने कहा, उन्हें ये बात स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नेता दिशा दिखाने में असफल रहे। इससे पहले राहुल ने अहमदाबाद के कार्यकर्ता सम्मेलन में महिला कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। राहुल ने कहा कि शुक्रवार को वरिष्ठ नेताओं, जिला और ब्लॉक अध्यक्षों से मुलाकात की। बकौल राहुल गांधी, मेरा लक्ष्य था- आपके दिल की बातें जानना और समझना था। इस बातचीत में संगठन, गुजरात की राजनीति और यहां की सरकार के कामकाज से जुड़ी बहुत सी बातें सामने आईं। लेकिन मैं यहां सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं आया हूं, बल्कि प्रदेश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और छोटे व्यापारियों के लिए आया हूं।

राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस के संगठनों में कई तरह का विभाजन है। उन्होंने कहा कि एक जनता की इज्जत करता है, जनता के मुद्दों के लिए आवाज उठाता है, उसके दिल में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा है। दूसरा गुट जनता की इज्जत नहीं करता है। इसके लोग भाजपा से मिले हुए हैं। राहुल के इतना कहते ही पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इन दोनों तरह के पार्टी नेताओं को जब तक अलग-

अलग नहीं किया गया, यहां की जनता कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर सकती।

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में नेताओं की कमी नहीं है। बब्बर शेर हैं, लेकिन पीछे से चेन लगी है और बब्बर शेर बंधे हुए हैं। एक मेरी बैठक हो रही थी, जिसमें एक कार्यकर्ता ने कहा कि दो तरीके के घोड़े होते हैं, एक होता है रेस का और दूसरा होता है बारात का। कांग्रेस पार्टी बारात के घोड़े को रेस में, और रेस के घोड़े को बारात में डाल देती है। अब गुजरात की जनता भी ये देख रही है कि रेस में बारात के घोड़े डाले हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पहला काम हमें ये करना है कि हमें पार्टी के भीतर जो गुटबाजी है, उसे अलग करना है और इसके लिए 20-30 लोगों को निकालना पड़े तो निकाल देना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि जब तक हम अपनी ज़िम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे, गुजरात की जनता हमें चुनाव नहीं जिताएगी। जब तक हम अपनी ज़िम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे, हमें गुजरात की जनता से सत्ता में आने के लिए भी नहीं कहना चाहिए। मैं आपको गारंटी देता हूं कि जिस दिन हम ऐसा करेंगे, गुजरात की जनता कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन देगी। राहुल ने कहा कि जब कांग्रेस पार्टी को अंग्रेजों का सामना करना पड़ा, तो हम हर जगह नेतृत्व की तलाश कर रहे थे। अंग्रेज हमारे सामने थे, कांग्रेस पार्टी भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करती थी, लेकिन हमारे पास कोई नेता नहीं था। नेता कहां से आया? नेता दक्षिण अफ्रीका से आया। महात्मा गांधी कौन थे और उन्हें हमें किसने दिया?

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मैच आज

दुबई। 9 मार्च को दुबई के दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल खेला जाएगा। भारतीय टीम के सामने न्यूजीलैंड की चुनौती है। भारत ने ग्रुप चरण में न्यूजीलैंड को हराया था। भारतीय टीम अभी तक सभी मैच जीत कर यहां पर पहुंची है। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में प्रवेश किया तो न्यूजीलैड की टीम ने दक्षिण अफ्रीका की टीम को हराकर फाइनल की रेस में पहुंचा। दुबई में 2.30 बजे से मुकाबला खेला जाएगा। भारत 5वीं बार तो न्यूजीलैंड तीसरी बार फाइनल खेलने उतरेगा।

भारतीय बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर और माइकल ब्रेसवेल का सामना करने से पहले शुक्रवार को बाएं हाथ और ऑफ स्पिन के खिलाफ अपना कौशल को निखारा। शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा की घरेलू स्पिन चौकड़ी का सामना करने के बाद स्थानीय स्पिनरों का सामना किया। पिछले मैच में न्यूजीलैंड के कप्तान सेंटनर ने कसी गेंदबाजी (10-1-41-1) की थी लेकिन ब्रेसवेल (9-0-56-0) थोड़े महंगे रहे। इन दोनों ने मिलकर अब तक चार मैचों में 13 विकेट लिए हैं। रचिन रविंद्र (6-0-31-1) ने भी बाएं हाथ की स्पिन का अच्छा स्पेल डाला था। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (डीआईसीएस) की पिच से स्पिनरों को कुछ मदद मिलने की उम्मीद है, इसलिए भारतीय बल्लेबाज कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि यहां की पिच धीमी गति के गेंदबाजों को मदद देना जारी रख सकती है। कोटक ने कहा- विकेट निश्चित रूप से थोड़ा बदलते हैं, लेकिन यहां इसकी प्रवृत्ति में बहुत बदलाव नहीं आया है। हमारी बल्लेबाजी वास्तव में अच्छी रही है। कोटक ने कहा कि भारतीय बल्लेबाज किसी भी दिन किसी भी पिच के अनुकूल ढल सकते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

बैंक ऑफ बड़ौदा में महिलाओं के लिए खास सेविंग अकाउंट

नईदिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने महिलाओं के लिए एक खास तोहफा दिया है। महिला दिवस से ठीक एक दिन पहले, बैंक ने 'बॉब ग्लोबल वूमेन एनआरई और एनआरओ सेविंग अकाउंट' लॉन्च करने की घोषणा की। इस अकाउंट के साथ ऑटो स्वीप सुविधा मिलेगी, जिससे ग्राहकों को ज्यादा ब्याज का फायदा होगा। इसके अलावा, महिला ग्राहकों को होम लोन और ऑटो लोन सस्ती दरों पर मिलेगा। खास बात यह है कि बैंक ऑफ बड़ौदा ऐसा अकाउंट लॉन्च करने वाला पहला सरकारी बैंक बन गया है। इस अकाउंट पर लोन की प्रोसेसिंग फीस भी कम होगी। बीओबी के इस नए फैसले से महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत बनने में मदद मिलेगी। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने बॉब प्रीमियम एनआरई और एनआरओ सेविंग अकाउंट में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। अब एनआरआई कस्टमर्स को पहले से ज्यादा बेनिफिट्स और एडवांस बैंकिंग सर्विसेज मिलेंगी।

अमेरिका के शुल्क बढ़ोतरी से निर्यात हो सकता है प्रभावित

मुंबई । भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीमा शुल्क की दरों पर अमेरिका के बदले रुख से अमेरिका को किए जाने वाले भारतीय निर्यात पर असर पड़ सकता है। एक्जिम बैंक की उप प्रबंध निदेशक दीपाली अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि बैंक ने दो अप्रैल से भारतीय उत्पादों पर अधिक सीमा शुल्क लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान से पड़ने वाले असर को लेकर बैंक ने केंद्र सरकार को अपनी राय दे दी है। हालांकि उन्होंने एक्जिम बैंक की तरफ से सरकार को दी गयी सूचना के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने बैंक के एक कार्यक्रम के दौरान कहा, भारतीय निर्यात का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका को जाता है। इस फैसले का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि मांग किस तरह की आ रही है।

एसबीआई ने महिला उद्यमियों के लिए ऋण की शुरुआत की

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने महिला उद्यमियों के लिए कम ब्याज दर के साथ बिना गारंटी वाले ऋण की पेशकश की। एसबीआई ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर अस्मिता नाम से उत्पाद पेश किया। इसका मकसद महिलाओं को कम ब्याज दर वाले वित्तपोषण विकल्प देना है। एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि नई पेशकश से महिलाओं के नेतृत्व वाली सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाइयों को जल्दी और आसानी से कर्ज मिलेगा। बैंक के प्रबंध निदेशक विनय टोंस ने नई पेशकश को तकनीकी नवाचार और सामाजिक समानता का प्रतीक बताया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने रूपे द्वारा संचालित नारी शक्ति प्लैटिनम डेबिट कार्ड भी पेश किया, जिसे विशेष रूप से महिलाओं के लिए तैयार किया गया है। दूसरी ओर बैंक ऑफ बड़ौदा ने शुक्रवार को भारतीय मूल की महिलाओं के लिए बॉब वैश्विक महिला एनआरई और एनआरओ बचत खाता पेश किया।

5 माह बाद खुदरा महंगाई दर 4% से कम रहने के आसार

नईदिल्ली। लगातार आरबीआई के दायरे से ऊपर बनी रहने वाली खुदरा महंगाई दर पांच महीने में पहली बार चार फीसदी से नीचे आ सकती है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, फरवरी 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) गिरकर 3.81 प्रतिशत पर आने की संभावना है। जनवरी में यह 4.31 और पिछले साल अगस्त में 3.65 फीसदी पर रही थी। सीएमआईई के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में अब तक औसत खुदरा महंगाई 4.87 प्रतिशत रही है। इस बार खाद्य कीमतों में गिरावट का कारण कीमतों में प्रभावी रूप से कमी आना है। सब्जियों की कीमतों में सर्दियों में सुधार और दालों की कीमतों में लगातार नरमी से मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने में मदद मिली है। लेकिन, सोने की कीमतों में मजबूती के कारण मुख्य महंगाई में बढ़ोतरी का अनुमान है।

डॉनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में विघटन का दौर

अजय छिब्बर

विश्व व्यवस्था आज जिस दौर से गुजर रही है उसे मैं 'विशाल विघटन' के रूप में परिभाषित करना चाहूंगा। वर्ष 2008-2009 के वैश्विक वित्तीय संकट को 'विशाल अपस्फीति' कहा गया था। 2020 की महामारी को 'विशाल लॉकडाउन' का नाम दिया गया था। इन घटनाओं ने बड़े पैमाने पर आर्थिक प्रभाव डाला लेकिन विश्व व्यवस्था को भंग नहीं किया। एक बार जब दुनिया समन्वित राजकोषीय और मौद्रिक नीति तथा तेजी से टीके के विकास के जरिये इनसे उबर गई तो हालात सामान्य हो गए। दूसरे विश्व युद्ध के बाद जो व्यवस्था बनी थी अब उसे भंग किया जा रहा है। ऐसा विरोधी ताकतें नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति खुद कर रहे हैं जिनका मानना है कि उनके साझेदारों समेत दुनिया ने अमेरिका का फायदा उठाया है।

उनका नारा है 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी अमेरिका को दोबारा महान बनाना है। इस कोशिश में उनके हथियार हैं मौजूदा वैश्विक समझौतों (पेरिस समझौता) और संस्थानों (विश्व स्वास्थ्य संगठन) से दूरी बनाना, साझेदारों (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो) से अधिक मांग करते हुए उनका रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के दो फीसदी तक बढ़ाना, अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने के लिए टैरिफ बढ़ाना और लाखों प्रवासियों को वापस भेजना। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं को अमेरिकी मदद की छमाही समीक्षा शुरू की है। इनमें विश्व बैंक तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष शामिल हैं।

अमेरिका का व्यापार भारित टैरिफ 2.2 फीसदी है जो उसके कई साझेदारों से कम है। केवल जापान में यह 1.7 फीसदी है। यूरोपीय संघ में यह टैरिफ 2.7 फीसदी, चीन में 3

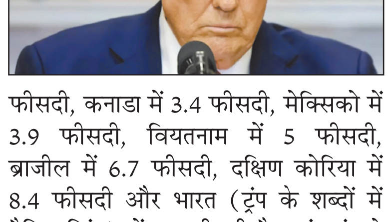

फीसदी, कनाडा में 3.4 फीसदी, मेक्सिको में 3.9 फीसदी, वियतनाम में 5 फीसदी, ब्राजील में 6.7 फीसदी, दक्षिण कोरिया में 8.4 फीसदी और भारत (ट्रंप के शब्दों में टैरिफ किंग) में 12 फीसदी है। परंतु ट्रंप ने टैरिफ में भारी इजाफा किया है। उन्होंने स्टील और एल्युमीनियम पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया है। कनाडा और मेक्सिको के साथ व्यापार समझौते के बावजूद उन्होंने उन पर 25 फीसदी का शुल्क लगाया। चीन पर 10 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया और भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ पर बराबरी का शुल्क लगाने की घोषणा की है। चीन ने बदले में अमेरिकी कृषि निर्यात पर 15 फीसदी शुल्क लगाया तो ट्रंप ने प्रतिक्रिया में टैरिफ 10 फीसदी और बढ़ाने की घोषणा कर दी।

इसके परिणामस्वरूप कीमतों में इजाफा होगा, ब्याज दरें ऊंची रहेंगी और वैश्विक वृद्धि में धीमापन आएगा। आर्थिक नीति और व्यापार की अनिश्चितता बढ़ी है और शेयर बाजार तेजी से गिर रहे हैं। ट्रंप पहले स्वतंत्र रही एजेंसियों पर भी नियंत्रण चाह रहे हैं। ये एजेंसियां उपभोक्ताओं के संरक्षण और अर्थव्यवस्था के नियमन से जुड़ी हैं। कमजोर नियमन से शुरुआत में निवेश बढ़ सकता है लेकिन समय के साथ इसमें गिरावट आएगी और अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी होगी। अगर चीन, कनाडा और संभवतः मेक्सिको की तरह अधिकांश देश विरोध करते हैं तो विश्व अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। सन 1930 में ऐसे ही टैरिफ ने विश्व व्यापार में जंग के हालात पैदा किए और 'महामंदी' के हालात बने।

अमेरिका में नया बना डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट इफिशिएंसी यूएसएड जैसी सरकारी एजेंसियों में कटौती करके हजारों की संख्या में कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है। ट्रंप के शुल्क और व्यय कटौती की मदद से चार लाख करोड़ डॉलर की कर कटौती की भरपाई की जा सकती है, यह कर कटौती अमीरों के लिए है। साझेदारों से रक्षा व्यय बढ़ाने को कहने के अलावा उनकी योजना अगले पांच साल में अमेरिकी रक्षा बजट 40 फीसदी कम करने की है और संकेत हैं कि रूस और चीन भी ऐसा ही करेंगे। ट्रंप ने यूक्रेन का सौदा करके नाटो को कमजोर किया है। यह काफी हद तक अफगानिस्तान में तालिबान के साथ उनके विवादित समझौते की तरह ही है।

महिलाएं निभा रहीं दोहरी भूमिका, मैं समझ सकती हूं आपकी परेशानी: महापौर मीनल

महिलाओं को सम्मान के साथ मिला ज्ञान, स्वास्थ्य के प्रति रहेंगी जागरूक

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल और उर्मिला फाउंडेशन की ओर से महिला दिवस की पूर्व संध्या पर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में जहां महिलाओं को रायपुर महापौर मीनल चौबे के हाथों सम्मान मिला। इस मौके पर गायत्री शक्ति अवार्ड की घोषणा उर्मिला फाउंडेशन की ओर से की गई। इसमें प्रतिवर्ष समाज सेवा के लिए समर्पित महिला को 25000 बतौर सम्मान निधि दिए जाएंगे। वहीं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू नेभानी ने महिलाओं को सरवाइकल कैंसर के प्रति जागरूक किया। महिलाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवाने और टेस्ट कराने की सलाह दी, ताकि सरवाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचा जा सके।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर मीनल चौबे ने कहा कि महिलाओं का सम्मान सिर्फ एक दिन नहीं बल्कि रोज होना चाहिए। क्योंकि आज के समय में ज्यादातर महिलाओं दोहरी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि आज आप सभी भी घर के सारे काम करने के बाद यहां आई हैं। मैं महापौर हूं, लेकिन इससे पहले एक गृहिणी भी हूं। मैं भी अपने घर के काम करती हूं। मैं मेयर बनीं मेरी प्राथमिकता है कि अपने पांच सालों में मैं रायपुर की महिलाओं को आत्मनिर्भर बना सकूं, सशक्त कर सकूं। ताकि वे गर्व से कह सकें कि हमें अब कोई समस्या नहीं है। उन्होंने महिलाओं के जनपयोगी कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कहीं।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू नेभानी ने महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सरवाइकल कैंसर आज महिलाओं को होने वाले दूसरा बड़ा कैंसर है। इसके मरीज हमारे पास जब आते हैं, तब तक कैंसर एडवांस स्टेज पर पहुंच जाता है। ऐसे में हमें एचपीवी वैक्सीन लगाना बेहद जरूरी है। यह वैक्सीन नौ साल की उम्र से 45 साल तक की महिलाओं को लगता है। इसका टारगेट ग्रुप नौ से 14 साल है। वहीं 15 से 26 कैच ग्रुप हैं। सही समय पर स्क्रीनिंग की जाए, तो काफी हद तक हम इस परेशानी को पकड़ सकते हैं।इस अवसर पर उर्मिला मेमोरियल हास्पिटल के सौजन्य से फ्री हेल्थ चेकअप कैंप भी लगाया गया। जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने बीपी, शुगर, एचबी, बीएमआई टेस्ट करवाया।

महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार प्रतिबद्ध: साय

छत्तीसगढ़- सखी वन स्टॉप सेंटर की एसओपी निर्धारित करने वाला पहला राज्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित वृहद महतारी वंदन सम्मेलन में शामिल हुए और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश की सभी महिलाओं को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ में महिलाएँ सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिलाओं के त्याग और समर्पण के बिना कोई भी समाज और राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भारत में मातृशक्ति की पूजा की परंपरा सदियों पुरानी है और छत्तीसगढ़ सरकार इस परंपरा को और सशक्त कर रही है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कोई भी समाज तब तक संपूर्ण नहीं हो सकता जब तक समाज की महिलाएँ सशक्त न हों। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर, सुरक्षित और सम्मानित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और आने वाले समय में भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई नए कदम उठाए जाएँगे। महिला सशक्तिकरण की यह यात्रा सतत जारी रहेगी, क्योंकि नारी शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार महिला कल्याण के लिए महतारी वंदन योजना के तहत पिछले 13 महीनों से प्रति माह 1,000 रुपये की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित कर रही है। अब तक 70 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में 8,488 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए भी एक नई पहल की गई है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब से उनका मानदेय सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे भुगतान में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी।

चार नए पोर्टल और डिजिटल पहल की लॉन्चिंग: मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर उत्पीड़ित एवं संकटग्रस्त महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल सुविधा की शुरुआत किया जिसके तहत वे ऑनलाइन एवं मोबाइल एप के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री साय ने बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के पोर्टल, इंफ्रा पोर्टल तथा स्थापना पोर्टल का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार टेक्नोलॉजी के माध्यम से महिलाओं को अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। महिला मड़ई में लगे स्टॉल्स के संबंध में मुख्यमंत्री साय ने बताया कि अब तक 15 से 20 लाख रुपये से अधिक की खरीद-बिक्री हो चुकी है, जो महिला उद्यमिता को दर्शाता है। उन्होंने घोषणा की कि नवा रायपुर में 200 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल बनाया जाएगा, जहाँ महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को बेचने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे।मुख्यमंत्री साय ने सखी वन स्टॉप सेंटर की मानक संचालन प्रक्रिया (स्ह्क्) का विमोचन किया और बताया कि छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

उन्होंने कहा कि सखी वन स्टॉप सेंटर संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी सहायता प्रदान करता है। अब इस सेंटर के व्यवस्थित संचालन के लिए एक मानक प्रक्रिया बनाई गई है, जिससे इसकी प्रभावशीलता और बढ़ेगी।कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार महिला सशक्तिकरण को केवल एक नारा नहीं, बल्कि अपनी नीति और संकल्प का अभिन्न हिस्सा मानती है।

शा. दूधाधारी बजरंग महिला महाविद्यालय में आनंद मेले का आयोजन

रायपुर। 8 मार्च 2025 को नगर के प्रतिष्ठित शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला दिवस के अवसर पर छात्राओं द्वारा स्वरोजगार और उद्यमिता विकास के अंतर्गत आनंद मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका निगम की महापौर माननीय श्रीमती मीनल चौबे मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसी एक दिवस की दरकार नही है हर दिन महिलाओं का ही दिन होता है। घर परिवार के साथ ही अन्य क्षेत्र में भी उतनी शिद्दत से कार्य करती हैं। महापौर ने कहा कि रायपुर के लिए मैं अपने दायित्व को अच्छे से निभाने का प्रयास करूंगी ताकि महिलाओं की क्षमता से लोग अवगत हों । उन्होंने महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार किये गए व्यंजनों का स्वाद लिया और छात्राओं द्वारा कम लागत में तैयार की गयी विभिन्न आकर्षक वस्तुओं को देखकर उनके प्रयासों की सराहना की।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. किरण गजपाल ने कहा कि महिलाएं संघर्षों से जूझकर आगे बढ़ रही हैं उनके सशक्त होने के लिए सबसे आवश्यक है आर्थिक आत्मनिर्भरता । उन्होंने छात्राओं को शुभकामनाएं दी एवं निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आनंद मेले में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की छात्राओं द्वारा हस्त निर्मित वस्तुओं, खाद्य पदार्थों, आभूषण, घर सज्जा के सामान इत्यादि की प्रदर्शनी लगाई गई ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कुनकुरी में स्व. कुमार दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिले के कुनकुरी के बाजारडांड़ में स्थापित स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव जी की सात फीट ऊंची प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने स्व. जूदेव के जीवन, योगदान और समाज सेवा को दर्शाने वाली विशेष फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि स्व. कुमार दिलीप सिंह जूदेव जी का जीवन समाज सेवा, जनकल्याण और आदिवासी उत्थान के लिए समर्पित था। उनकी निस्वार्थ सेवा और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्व. कुमार दिलीप सिंह जूदेव के विचार और सेवा कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज और प्रदेश के विकास में योगदान देना चाहिए।उल्लेखनीय है कि फोटो प्रदर्शनी में स्व. जूदेव के सामाजिक कार्यों, जनसेवा और विभिन्न प्रेरणादायक क्षणों को संजोया गया था, जिसे देखने बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

1 करोड़ 20 लाख से अधिक महिलाओं का बन चुका आयुष्मान कार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 13 दिसंबर 2023 को विष्णु देव साय सरकार के शपथ ग्रहण से लेकर अब तक 15 लाख 31 हजार 857 महिलाओं के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। यदि आँकड़ों को देखें, तो राज्य में हर महीने औसतन 1 लाख से अधिक महिलाओं के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। यह निरंतर जारी प्रयास राज्य की महिलाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने और उन्हें चिकित्सा सेवाओं से जोड़ने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।योजना के तहत आयुष्मान कार्ड पंजीकरण पूर्णत: नि:शुल्क है।

प्रदेशभर में सभी च्वाइस सेंटर, शासकीय अस्पतालों और निजी अनुबंधित अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा उपलब्ध है। शासकीय कार्य दिवसों में लोग इन केंद्रों पर जाकर नि:शुल्क पंजीयन करवा सकते हैं।यदि कोई व्यक्ति स्वयं आयुष्मान कार्ड बनवाना चाहता है, तो यह भी ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से संभव है। गूगल प्ले स्टोर पर आयुष्मान भारत एप डाउनलोड करके स्वयं कार्ड पंजीकरण किया जा सकता है।यह सुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जो डिजिटल सेवाओं का उपयोग कर आसानी से घर बैठे पंजीयन कराना चाहते हैं।इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए पहले ही बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपना पंजीकरण पूरा कर लिया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

महिला मंडई में महाराष्ट्र मंडल के स्टॉल को शानदार प्रतिसाद

रायपुर। साइंस कॉलेज मैदान में जारी महिला मंडई में महाराष्ट्र मंडल के सूखे नाश्ते के स्टॉल को लोगों को शानदान प्रतिसाद मिल रहा है। स्टॉल की विशेषता यह है कि इसमें लोग मराठी व्यंजनों का लुत्फ लेते हुए छत्तीसगढ़ के परंपरागत व्यजंनों को भी स्वाद ले रहे हैं। उपाध्याक्ष गीता श्याम दलाल ने बताया कि साइंस कॉलेज मैदान में जारी महिला मंडई में महाराष्ट्र मंडल के मेस प्रकल्प की ओर से सूखे नाश्ते का स्टॉल गुरुवार से ही शुरू गया है। इसमें मराठी चिवड़ा, चकली, सलोनी, शक्करपारा, पूरण पोली, शुद्ध घी में बने मगज के लड्डू, मुर्रा भेल, मुर्रा फ्राय शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के परंपरागत स्वाद का मजा लोग ठेठरी, खुर्मी, फरा में ले रहे हैं। बताते चलें कि महाराष्ट्र मंडल के मेस प्रकल्प से होने वाली आय मंडल के ही दूसरे महत्वाकांप्रकल्प दिव्यांग बालिका विकास गृह के संचालन में मददगार होती है।मुख्य समन्वयक श्याम सुंदर खंगन के अनुसार महिला मंडई में महाराष्ट्र मंडल के काउंटर पर जितनी मांग मराठी आयटमों की है।

गायब लड़कियों की खोज के लिए एसआईटी गठित करेः शुक्ला

रायपुर। बिहार के पटना की रेड लाइट इलाके से छत्तीसगढ़ की 41 नाबालिक लड़कियों को बरामद किया जाना राज्य की भाजपा सरकार के माथे पर काला धब्बा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि एक तरफ सरकार महिला दिवस की शुभकामना का विज्ञापन छपाती है इसी दिन यह खबर सामने आती है की छत्तीसगढ़ की लड़कियां पटना के रेड लाइट इलाके मे बरामद हुई है। इस खबर से राज्य के हर स्वाभिमानी नागरिक का खून खौल रहा है। भाजपा सरकार हमारी बच्चियों को सुरक्षित नहीं रख पा रही है। राज्य मे ज़ब से भाजपा की सरकार बनी है महिलाये सुरक्षित नहीं है। महिलाओं के प्रति अपराधों मे बढ़ोतरी हो गयी है। छत्तीसगढ़ का दूरस्थ इलाका जशपुर बस्तर मानव तस्करी का केंद्र बन गया है। जशपुर, पत्थलगांव जैसे इलाकों से महिलाओ को नौकरी के नाम पर लालच दे कर प्लेसमेंट एजेंसिया दिल्ली मुंबई मे बंधक बना कर अमानवीय व्यवहार करती है। इस ओर अनेको सामाजिक संगठनों ने सरकार का कई बार ध्यान आकृष्ट कराया था लेकिन सरकार को महिलाओं की सुरक्षा की कोई चिंता ही नहीं है। बिहार मे 41 नाबालिक लड़कियो का रेड लाइट क्षेत्र से बरामद होना दुर्भाग्य जनक है। कांग्रेस पार्टी सरकार से मांग करती है।

भू माफियाओं और अफसरों के खिलाफ अपराध दर्ज कराएं : कन्हैया

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि शासकीय जमीनों के बंदरबांट और जमीन मुआवजा घोटाले के सभी दोषियों के खिलाफ जुर्म पंजीबद्ध करने के साथ ही घोटाले की राशि वसूलने की कार्रवाई भी की जानी चाहिए। जमीन के मुआवजे का घोटाला तो अभी केवल 7 गांव का सामने आया है जबकि इस मामले में 300 गांव की जमीन का अधिग्रहण किया गया है , सभीअधिग्रहित जमीनों की भी जांच की जानी चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि राजस्व विभाग में भू माफियाओं का पूरी तरह से कब्जा हो गया है। कोरबा में ढाई सौ एकड़ झाड़ - जंगल जमीन निजी नाम पर चढ़ा दी गई केवल एक पटवारी सस्पेंड हुआ बाकी सब को संरक्षण मिल रहा है। गरियाबंद जिले में सात गांव की ही अधिग्रहित जमीनों की जांच में ढाई सौ करोड़ से ज्यादा का घोटाला सामने आ चुका है, 300 गांव की अधिग्रहित जमीनों की जांच में स्थिति क्या होगी इसका आकलन भी किया जाना मुश्किल है। लेकिन एक दो अफसरों के सिवाय इस मामले में भूमाफियाओं और संबंधित सभी अधिकारियों कर्मचारियों को बचाने का प्रयास लगातार जारी है। मठ मंदिरों की जमीनों को हस्तांतरित करने के काम में लगे माफियाओं को बचाने के लिए भी शासन प्रशासन के लोग पूरी उदारता के साथ लगे हुए हैं।

विद्युत कर्मियों की 10 व 17 मार्च की हड़ताल को श्रम विभाग ने किया अवैध घोषित

रायपुर। श्रम न्यायालय ने विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संघ व्दारा प्रस्तावित 10 मार्च को सामूहिक अवकाश, 17 मार्च से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन को अवैध घोषित कर दिया है। पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता एएम परियल ने बताया कि श्रम न्यायाधीश रायपुर, श्रीमती विभा पांडेय से मंडल ने स्थगन देने की अपील की गई थी। पॉवर कंपनी ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 10 (4) के अंतर्गत वाद प्रस्तुत किया, जिसमें बताया गया कि प्रस्तावित हड़ताल से विद्युत आपूर्ति बाधित होगी तथा सामान्य जनजीवन प्रभावित होगा और जनसामान्य को समस्याओं से जूझना पड़ेगा। श्रम न्यायालय ने मामले की त्वरित सुनवाई करते हुए हड़ताल को अवैध घोषित किया है। इसके बाद भी यदि कर्मचारी प्रदर्शन या हड़ताल में शामिल होता है तो सिविल सेवा नियम 1965 के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

एचएनएलयू में अष्टम दीक्षांत समारोह सफलतापूर्वक संपन्न

रायपुर। हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी रायपुर, जो देश की अग्रणी विधिशिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों में से एक है, ने अपने अष्टम दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन 8 मार्च 2025को होटल बैबिलॉन कैपिटल, रायपुर में किया।उपाधि वितरणइस अवसर पर कुल 161 छात्रों को बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) की उपाधि प्रदान की गई, जिनमें से 125 छात्रोंने व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति दर्ज कर डिग्री प्राप्त की, जबकि 36 छात्रों को यह उपाधि अनुपस्थित रूप में दीगई। इसी प्रकार, एलएल.एम. कार्यक्रम से कुल 90 छात्र स्नातक हुए, जिनमें से 57 छात्रों ने व्यक्तिगत रूप सेउपाधि प्राप्त की, जबकि 30 छात्रों को यह उपाधि अनुपस्थित रूप में प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, एक शोधार्थी को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।माननीय अतिथियों का उद्बोधनदीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा, न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्चन्यायालय एवं कार्यकारी परिषद सदस्य, ।ह्रु ने दीक्षांत भाषण दिया। उन्होंने विधि शिक्षा की महत्वपूर्णभूमिका पर प्रकाश डालते हुए नव-उत्तीर्ण विधि स्नातकों से संविधान के मूल्यों को बनाए रखने की अपीलकी।इस गरिमामयी आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा, न्यायाधीश,भारत के सर्वोच्च न्यायालय, तथा अरुण साव, उप-मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ उपस्थित रहे।

नागरिकों की आशाओं के अनुरूप कार्य करेगी शहर सरकार: साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि बालोद और दल्लीराजहरा शहर की नई सरकार नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनकी आशा एवं आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करेगी। गंगा मइया के आशीर्वाद से दोनों नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। शहर के लोगों ने जिस उम्मीद और भरोसे के साथ उन्हें चुना है, उस पर खरा उतरेंगे। श्री साव ने आज बालोद जिला मुख्यालय तथा दल्लीराजहरा नगर पालिका में नवनिर्वाचित अध्यक्षों और पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

सासंद श्री भोजराज नाग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

दल्लीराजहरा के बीएसपी स्कूल क्रमांक-6 में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नगर पालिका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री तोरण लाल साहू एवं पार्षदों को अपर कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी श्री अजय किशोर लकरा ने शपथ दिलाई। वहीं बालोद के पुराना टाउन हॉल परिसर में आयोजित समारोह में नगर पालिका की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा चौधरी एवं पार्षदों ने शपथ ग्रहण किया। उन्हें एसडीएम एवं पीठासीन अधिकारी श्री सुरेश साहू ने शपथ दिलाई।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने दोनों नगर पालिकाओं के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए शहर के चहुँमुखी विकास के लिए पूरी निष्ठा व समर्पण से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि बालोद एवं दल्लीराजहरा केवल शहर ही नहीं हैं, यहाँ के सभी निवासी हमारा परिवार है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नगर पालिकाओं के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सभी पार्षदगण शहर के सर्वांगीण विकास तथा बुनियादी सुविधाओं से युक्त स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित शहर के निर्माण के लिए पूरी लगन, निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ लोगों की सेवा करेंगे।

श्री साव ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सभी नगरीय निकायों में वर्तमान जरूरतों के अनुरूप जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें एक आदर्श शहर के रूप में विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित है। पूर्व विधायकों सर्वश्री प्रीतम साहू, विरेन्द्र साहू, डॉ. दयाराम साहू, रायपुर नगर निगम के पूर्व सभापति श्री संजय श्रीवास्तव और राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य श्री यशवंत जैन सहित बालोद और दल्लीराजहरा के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

जैविक एवं प्राकृतिक कृषि से खेती होगी समृद्ध और किसान होंगे खुशहाल

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर और ''अक्षय कृषि परिवार'' संस्था द्वारा आज यहां प्राकृतिक एवं जैविक कृषि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कृषि सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से आए किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक प्रणाली के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।

सम्मेलन के दौरान किसानों को छत्तीसगढ़ में तिलहन फसलों के उत्पादन के बारे में कृषि वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। कृषि सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रख्यात विचारक एवं समाज सेवी श्री भागैय्या थे और अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मनोज भाई सोलंकी, अध्यक्ष अक्षय कृषि परिवार, श्री गजानन डोंगे, उपाध्यक्ष अक्षय कृषि परिवार एवं छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना उपस्थित थे।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री भागैय्या ने प्राकृतिक एवं जैविक कृषि की अवधारणा, सिद्धान्त, प्रविधि तथा इसके लाभकारी पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक कृषि प्रणाली को अपनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक एवं जैविक कृषि से खेतों में उपलब्ध संसाधनों का सदुपयोग होता है तथा भूमि के स्वास्थ्य एवं उर्वरता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की प्राचीन परंपराओं में ऋषि कृषि की संकल्पना निहित है, जिसमें गौ आधारित प्राकृतिक एवं जैविक कृषि पद्धतियों का प्रयोग किया जाता था।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.